मूल्य 1 रु.

वर्षः 9 - अंक : 224, मुंबई, मंगलवार, 19 नवंबर, 2019 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

सोनिया से मुलाकात के बाद पवार ने कहा- सरकार गठन पर चर्चा नहीं हुई

दोनों दलों के नेता रास्ता निकालेंगे

मुंबई। राकांपा अध्यक्ष शरद पवार और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के बीच सोमवार को हुई मुलाकात के बाद भी महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर तस्वीर साफ नहीं हुई। बैठक के बाद शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र के सियासी हालात पर सोनिया से चर्चा हुई, सरकार गठन को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

बीएमसी में शिवसेना के खिलाफ प्रत्याशी नहीं उतारेगी भाजपा

राकांपा-कांग्रेस ने समर्थन का ऐलान किया

बृहन मुंबई महानगरपालिका में 22 नवंबर को मेयर पद का चुनाव है, विधानसभा चुनाव के कारण तारीख बढ़ा दी गई थी

मुंबई। बृहन मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) में 22 नवंबर को मेयर का चुनाव है। फरवरी 2017 में भाजपा के समर्थन से शिवसेना के उम्मीदवार विश्वनाथ महाडेश्वर ने जीत हासिल की थी। विश्वनाथ महादेश्व का कार्यकाल सितंबर 2019 में समाप्त हो रहा था। लेकिन, विधानसभा चुनाव की वजह से उनका कार्यकाल नवंबर तक बढ़ाया गया था। मेयर पद के लिए होने जा रहे चुनाव के नामांकन का सोमवार को आखिरी दिन रहा। (शेष पृष्ठ 5 पर)

अठावले ने सुझाया नया फॉर्मूला

ऐसे बन सकती है...

बीजेपी-शिवसेना सरकार

'बीजेपी और एनसीपी मिलकर सरकार बनाए'

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकार कब बनेगी इस पर मंथन लगातार जारी है। एनसीपी, शिवसेना और कांग्रेस के बीच सरकार बनाने की पूरी कहानी लिखी जा चुकी है, लेकिन अब तक उसे पर्दे पर उतारा नहीं गया है। लेकिन बीजेपी और शिवसेना गठबंधन की सरकार बनने के रास्ते अब भी खुले नजर आ रहे हैं। सोमवार को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री रामदास अठावले ने शिवसेना नेता संजय राउत को सरकार गठन का एक फॉर्मूला सुझाया है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

सिर कटे शव की गुत्थी सुलझी, भतीजा गिरफ्तार

ठाणे। ठाणे की शील डायघर पुलिस ने सिर कटे शव की गुत्थी सुलझा ली है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी सहित उसके एक दोस्त को गिरफ्तार किया है, जबकि 3 फरार हैं। आरोपी अमित नागरे ने चाचा की हत्या कर उसका धड़ और सिर अलग-अलग जगह फेंक दिए थे। पीआई रामचंद्र मोहिते के अनुसार, अमित के पिता की करीब 4 साल पहले मौत हो गई थी। उसे शक था कि उसके चाचा ने जादू-टोना कर पिता को मारा है, इसलिए उसने चाचा की हत्या कर दी।

शुक्रवार दहिसर मोरी परिसर के ठाकुरपाडा स्थित पिंपरी गांव के पास पहाड़ी से सिर कटा शव बरामद हुआ था। काफी खोजबीन के बाद भी पुलिस को सिर नहीं मिल पाया था। पुलिस शव की शिनाख्त कर ही रही थी कि एक महिला पुलिस स्टेशन में पति की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने आई। पुलिस ने उसे वह अज्ञात शव दिखाया, तो वह पति को पहचान गई। इसके बाद, पुलिस ने 45 वर्षीय विष्णु नागरे की हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की।

पुलिस ने घटनास्थल के आस-पास के मोबाइल टावर से पिछले 24 घंटे के दौरान इस्तेमाल हुए फोन की जानकारी निकाली। पुलिस ने विष्णु के घरवालों से भी पूछताछ की।

पुलिस को विष्णु के भतीजे अमित पर संदेह हुआ, क्योंकि अमित के मोबाइल की लोकेशन घटनास्थल के पास पाई गई थी। पुलिस के दबिश देने पर अमित ने बताया कि उसी ने दोस्तों के साथ मिलकर चाचा की हत्या की है। उसने पुलिस को बताया कि विष्णु को शराब पिलाने के बहाने ले गया और हत्या कर दी। शव की शिनाख्त न हो, इसलिए सिर को धड़ से अलग कर दिया। सिर को दिवा डंपिंग ग्राउंड में फेंका था। पुलिस ने सिर भी जब्त कर लिया है।

एक और अधूरा फ्लाइ ओवर कर दिया शुरू

भिवंडी। अधूरे फ्लाइओवर को शुरू करने का सिलसिला जारी है। मुंबई-नासिक हाइवे पर मानकोली के फ्लाइओवर को खोले जाने के बाद राजनोली नाका के भी अधूरे फ्लाइओवर को चालू कर दिया गया था। वहीं, शनिवार तड़के एमएमआरडीए ने साईबाबा नाका के अधूरे फ्लाइओवर को बिना किसी औपचारिकता के खोल दिया। इससे पहले से ही यातायात जाम की समस्या झेल रहे कल्याण नाका पर दिक्कत और बढ़ गई है। शिवसेना के पूर्व विधायक रुपेश म्हात्रे ने आपत्ति जताते हुए एमएमआरडीए के अधिकारियों से सवाल किया है कि जब इस फ्लाइओवर का नामकरण स्व. बालासाहेब ठाकरे प्रस्तावित है, तो इतनी जल्दी क्या था? इसके बाद, म्हात्रे ने सैकड़ों शिवसैनिकों के साथ नारियल फोड़ा और फीता काटा। इस दौरान मनपा में शिवसेना के गटनेता संजय म्हात्रे, सुंदर नाईक, राम लहारे, विसू म्हात्रे, वैशाली मेस्त्री, दिलीप नाईक आदि मौजूद थे। इन लोगों ने बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर वाला झंडा एवं बैनर लगा दिया।

बता दें कि भिवंडी स्थित कल्याण रोड पर यातायात जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए कल्याण नाका से साईबाबा नाका तक फ्लाइओवर का काम एमएमआरडीए को दिया गया था। 26 नवंबर 2015 को तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसका भूमिपूजन किया था। 3 बार रूपरेखा बदलने और धीमी रफ्तार के कारण 6 में साल भी काम पूरा नहीं हो सका। अब भी काम जारी है कि इसी बीच वरिष्ठों के दबाव में एमएमआरडीए ने फ्लाइओवर खोल दिया। इसके पीछे राजनीतिक दबाव भी माना जा रहा है।

एमएमआरडीए ने श्रेय लेने के लिए अधूरा फ्लाइओवर शुरू किया है। सबको पता है कि फ्लाइओवर की मांग किसने की थी और 2014 के पहले फ्लाइओवर के लिए पत्र व्यवहार किसने किया था।

- रुपेश म्हात्रे, पूर्व विधायक, विधानसभा भिवंडी (पूर्व)

चला 'सेव आरे' अभियान, आंदोलनकारियों का किया सत्कार

मुंबई। इस रविवार को भी मुंबईकरों ने आरे कॉलोनी में पहुंचकर 'सेव आरे' अभियान चलाया और लोगों से पेड़ और जंगल बचाने की अपील की। पेड़ों की महत्ता और जंगल की जीवन में भूमिका को रेखांकित करने के लिए रविवार को आरे कॉलोनी में रहने वाले आदिवासियों सहित पर्यावरण प्रेमियों ने कई तरह के कार्यक्रम भी लोगों के सामने प्रस्तुत किए।

सेव आरे अभियान से जुड़े प्रकाश भोईर ने कहा कि लोगों में पर्यावरण संरक्षण और जल-जंगल बचाने के प्रति जागरूक करने के लिए रविवार को एक कार्यक्रम रखा गया। दोपहर को शुरू हुआ यह कार्यक्रम शाम तक चला। जहां न केवल लोगों से आगे आकर आरे को बचाने की अपील की गई, बल्कि आरे की लड़ाई के कारण जेल गए 29 मुंबईकरों का सत्कार भी किया गया। इस दौरान लोगों ने सभी 29 लोगों की पूजा भी की, क्योंकि ये क्रांतिकारी की तरह लड़े और आरे को बचाने के लिए हर संभव कोशिश की। बता दें कि इस साल सितंबर से शुरू हुई सेव आरे की लड़ाई के मद्देनजर तकरीबन हर रविवार को मुंबईकर आरे कॉलोनी में जाकर पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करते हैं।

असल हुई बाला की फिल्मी कहानी,

4 फीट के टिक-टॉक प्रेमी को छोड़ भागी 6 फीट की प्रेमिका

मुंबई। सोशल मीडिया के जरिए प्यार की तलाश कर रहे सभी लोग खुशनसीब नहीं होते हैं। इसकी वजह से जहां कुछ लोगों की जिंदगी सुधर जाती है, वहीं कुछ बदनसीब ऐसे भी होते हैं, जो धोखा खा जाते हैं। इसकी ताजा मिसाल मालवणी की रहने वाली लड़की सकीना (बदला हुआ नाम) है, जिसने सोशल नेटवर्किंग साइट टिक-टॉक के जरिए एक लड़के से प्यार किया और धोखा खाया।

सकीना के अनुसार, वह विडियो मेकिंग ऐप टिक-टॉक पर विडियो बनाकर पोस्ट किया करती थी। उसके विडियो को यूपी के वाराणसी में रहने वाला एक लड़का यूसुफ (बदला हुआ नाम) काफी लाइक करता था। यूसुफ भी जो विडियो बनाकर टिकटाक पर पोस्ट करता था, उसे सकीना भी लाइक करती थी। दोनों एक-दूसरे को फॉलो करने लगे और कुछ दिन बाद सकीना और यूसुफ के बीच चैटिंग होने लगी।

सकीना के जन्मदिन पर दोनों ऑनलाइन दुनिया से निकलकर असल दुनिया में आ गए और दोनों ने शादी करने की इच्छा जाहिर की। सकीना और यूसुफ घंटों बात किया करते थे। कुछ दिन पहले सकीना का अचानक यूसुफ से संपर्क नहीं पाया, तो वह परेशान हो उठी। उसने यूसुफ से बात करने की काफी कोशिश की, लेकिन असफल रही।

सकीना अपने परिजन को बताए बिना यूसुफ से मिलने यूपी पहुंच गई। वहां उसने वाराणसी स्टेशन से यूसुफ को कॉल किया, तो संयोग से यूसुफ ने फोन रिसीव कर लिया। सकीना के वाराणसी आने की खबर सुनकर यूसुफ से रहा नहीं गया और वह उससे मिलने वाराणसी स्टेशन पहुंच गया। जहां यूसुफ पहली बार सामने से एक-दूसरे को देखा। इससे पहले कि दोनों एक-दूसरे को गले लगाते, यूसुफ को देख सकीना स्टेशन से वापस भागने लगी।

वहां मौजदू लोग अचरज से दोनों को देख रहे थे। खबर सुनकर मौके पर वाराणसी रेलवे पुलिस भी आ गई। मिलने की आस में यूपी पहुंची सकीना को जब लोगों ने यूसुफ से झगड़ते देखा, तो भीड़ जुट गई। दोनों को पुलिस पकड़कर ले गई, जहां सकीना ने पुलिस को अपनी आपबीती सुनाई।

सकीना की बात सुनकर जहां पुलिस हैरान थी, वहीं यूसुफ को देखकर सकीना परेशान थी। वाराणसी पुलिस के अनुसार, गोरी-चिट्टी सकीना की ऊंचाई 6 फीट थी, जबकि उसके टिक टॉक प्रेमी यूसुफ की लंबाई 4 फीट से कम थी और देखने में भी वह ज्यादा खूबसूरत नहीं था। यह देख सकीना भागने लगी थी। वाराणसी पुलिस ने सकीना के घरवालों को सूचित किया, तो वे भी पहुंच गए और पुलिस ने उसे परिजन को सौंप दिया।

लापता बेटी मिल जाने से जहां सकीना के परिजन खुश हैं, वहीं सोशल मीडिया वाले प्यार में धोखा खाकर सकीना खुद पर शर्मिंदगी महसूस कर रही है। मुंबई पुलिस के अनुसार, धोखे का शिकार बनी सकीना के परिजन उसके प्रेमी यूसुफ के खिलाफ केस दर्ज कराने पहुंचे थे, लेकिन पुलिस ने समझा-बुझाकर मामला शांत करवाया।

मुंबईः सावधान! यह वर्दी है फर्जी

मुंबई। घाटकोपर पुलिस ने सोमवार को दो ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया था, जो फर्जी पुलिसकर्मी बनकर लूटपाट करते थे। ऐसे आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद सवाल उठ रहे हैं कि आम आदमी कैसे पहचाने कि असली कौन है और नकली कौन। यह पहली घटना नहीं है, जब कुछ लोग पुलिस की वर्दी का इस्तेमाल धौंस जमाने और पैसे ऐंठने के लिए करते पाए गए हैं। इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। ऐसे नकली पुलिसकर्मी अक्सर लोगों को राह चलते डरा-धमकाकर लूट लेते हैं।

हालांकि कभी न कभी इनकी पोल खुलती है और असली पुलिस इन पर कार्रवाई कर सलाखों के पीछे भी भेजती है। इसके वाबजूद मुंबई में इन बहुरूपियों का काम बदस्तूर जारी है। इनमें ईरानी गैंग काफी कुख्यात है। ईरानी गैंग और बहुरूपिया गैंग के फर्जी पुलिसकर्मियों से तो करीब-करीब हर महीने मुंबई पुलिस दो-चार होती है।

पंजाब से भागी युवती के साथ मुंबई में बलात्कार, आरोपी अरेस्ट

मुंबई। पंजाब की रहने वाली एक 18 साल की लड़की अपने घर से भाग कर आई थी। उसके साथ मुंबई में बलात्कार के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि आरोपी को कमाठीपुरा इलाके से गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के मुताबिक घटना 9 नवंबर की है और गिरफ्तार व्यक्ति का नाम अख्तर रियाजउद्दीन कुरैशी है। उसकी उम्र 45 है। पुलिस ने बताया कि लड़की अपने घर से भागकर जब मुंबई सेंट्रल स्टेशन पहुंची, तो कुरैशी ने उससे मदद के बहाने संपर्क किया। लड़की ने उसकी हमदर्दी भरी बातों से विश्वास में आकर उसे अपनी सारी आपबीती बता दी। कुरैशी ने उसे रहने की जगह और खाने का भरोसा दिलाया और उसे कमाठीपुरा की रेड लाइट एरिया में ले गया। महिला किसी तरह वहां से भागकर नागपाड़ा पुलिस स्टेशन पहुंची उसकी शिकायत के बाद यह कार्रवाई की गई।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र संकटः शिवसेना का बड़ा हमला,

कहा- अपने आपको भगवान समझ रहे हैं बीजेपी के नेता

मुंबई। महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक उठापटक के बीच शिवसेना ने सोमवार को अपनी पूर्व सहयोगी पार्टी बीजेपी पर बड़ा हमला बोला। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि बीजेपी के नेता अपने आपको भगवान समझ रहे हैं और सोच रहे हैं कि वह कुछ भी कर सकते हैं। बीजेपी नेताओं की अपुन ही भगवान वाली सोच गलत है। देश में बड़े-बड़े बादशाह आए और चल गए लेकिन देश का लोकतंत्र कायम है। उन्होंने कहा कि एनडीए किसी की प्रॉपर्टी नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि किससे पूछकर हमें निकाला गया है।

मीडिया से बातचीत में संजय राउत ने कहा, 'बीजेपी नेताओं की अपुन ही भगवान वाली सोच गलत है। महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन के लिए हम नहीं बीजेपी जिम्मेदार है। (बीजेपी नेता) अपने आपको भगवान

समझ रहे हैं। कोई अपने आपको भगवान न समझे। दिल्ली में बड़े-बड़े बादशाह आए और गए। देश का लोकतंत्र कायम है।'

एनडीए से निकालने के ऐलान पर भी संजय राउत ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'एनडीए से निकालने वाली घोषणा बेबुनियाद है। किस आधार पर एनडीए से शिवसेना को निकाला गया है। शिवसेना एनडीए को बनाने वाली पार्टी है। हमने हमेशा एनडीए का साथ दिया और जो हमेशा साथ रहा उसे निकाला है। किसी से पूछे बिना शिवसेना को निकाला गया है।' उन्होंने कहा कि दिसंबर के पहले सप्ताह तक महाराष्ट्र में नई सरकार बन जाएगी।

बता दें कि महाराष्ट्र में सरकार गठन के लिए शिवसेना-एनसीपी-कांग्रेस गठबंधन की फाइनल स्क्रिप्ट दिल्ली में अगले एक-दो दिनों में लिखी जाएगी। एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार आज या कल में दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे, जिनका रुख इस संभावित गठबंधन का भविष्य तय करेगा। सोनिया से मुलाकात से पहले पवार आज अहमद पटेल, केसी वेणुगोपाल, मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे कांग्रेस के अहम नेताओं से मिलेंगे। दूसरी तरफ, सरकार गठन में हो रही देरी से शिवसेना कैंप की धड़कनें बढ़ रही हैं।

शिवसेना-एनसीपी-कांग्रेस के बीच जिस कॉमन मिनिमम प्रोग्राम का ड्राफ्ट तैयार हुआ है उस पर आखिरी मुहर दिल्ली में ही लगेगी। एनसीपी चीफ शरद पवार ने रविवार को पुणे में पार्टी के सीनियर नेताओं के साथ चर्चा की। सोनिया-पवार मुलाकात से ही स्पष्ट हो जाएगा कि महाराष्ट्र में अगली सरकार कैसी होगी। दोनों नेताओं की मुलाकात में सबकुछ ठीक रहा तो शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे भी एक-दो दिनों में दिल्ली आ सकते हैं।

दाऊद ने शकील से कहा, धमकियां देना बंद करो

मुंबई। शनिवार को मुंबई क्राइम ब्रांच ने डॉन सुरेश पुजारी के एक पंटर को उगाही के आरोप में गिरफ्तार किया। पर आश्चर्यजनक रूप से मुंबई में उगाही से जिस डॉन दाऊद इब्राहिम की सबसे ज्यादा कमाई होती है, उसने अपने गैंग के लोगों को मुंबई में कोई भी कॉल करने से मना किया है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने एनबीटी से कहा कि डी गैंग की तरफ से जुलाई, 2019 के बाद से एक भी कॉल मुंबई नहीं किया गया-न उगाही के लिए और न ही दाऊद के परिवार के मुंबई में रह रहे लोगों का हालचाल लेने के लिए। 18 जुलाई को दाऊद के भतीजे रिजवान को मुंबई क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया था। इस अधिकारी के अनुसार, रिजवान की गिरफ्तारी से दाऊद इतना ज्यादा नाराज हुआ कि उसने छोटा शकील और फहीम मचमच को फोन करके गरियाया और कहा कि मेरे अगले आदेश तक अब मुंबई में किसी को भी धमकी का कोई कॉल नहीं जाएगा। उसी के बाद से मुंबई में शकील और मचमच के कॉल्स बंद हैं।

दाऊद के परिवार के जो भी लोग मुंबई में हैं, उन्हें भी पाकिस्तान में डी गैंग की तरफ से कॉल्स नहीं आ रहे हैं। जांच एजेंसियों को खबर मिली है कि यदि मुंबई में परिवार के लोगों को पाकिस्तान में दाऊद की फैमिली में बात भी करनी है, तो वाया दुबई मैसेज दाऊद तक पहुंचाया जाता है। दाऊद के परिवार के काफी लोग अभी भी दुबई में हैं।

एक अधिकारी ने एनबीटी से कहा कि दाऊद ने अपने परिवार की नई पीढ़ी से कहा है कि पुरानी पीढ़ी भले ही गलत लाइन में गई हो, लेकिन नई पीढ़ी को इससे दूर रहना है। उसने दुबई में परिवार के हर सदस्य के लिए हर महीने एक रकम फिक्स की हुई है। हवाला से यह रकम वहां पहुंच भी जाती है। पर कई बार परिवार की नई पीढ़ी नाईट लाइफ की चकाचौंध के ट्रैप में आ आती है। नाईट लाइफ के लिए ज्यादा रकम चाहिए और इस अतिरिक्त रकम के लिए नई पीढ़ी दाऊद के नाम पर फिर उगाही की लाइन में आ जाती है। रिजवान भी इसी वजह से छोटा शकील व फहीम मचमच के ज्यादा संपर्क में आया। इसलिए उगाही के एक केस में जब उसका नाम आया, तो दुबई से मुंबई आने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। रिजवान मुंबई में कम, दुबई में ज्यादा रहता था।

इस अधिकारी के अनुसार, रिजवान से पहले मुंबई क्राइम ब्रांच ने दाऊद के सबसे बड़े हवाला कारोबारी अल्ताफ को केरल के एक एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया। उस गिरफ्तारी ने डी कंपनी के हवाला कारोबार की पूरी तरह कमर तोड़ दी। इससे भी दाऊद बुरी तरह हिल गया। इसीलिए उसने अपने गैंग के लोगों को बोल रखा है कि दुनिया में कहीं भी फोन करो, लेकिन मुंबई में फिलहाल बिल्कुल भी नहीं।

पीएमसी बैंक घोटाले में भाजपा नेता का पुत्र गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने पंजाब एवं महाराष्ट्र सहकारी (पीएमसी) बैंक घोटाला मामले में इसके एक निदेशक रंजीत सिंह को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। वह भाजपा के पूर्व विधायक सरदार तारा सिंह के बेटे हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक ईओडब्ल्यू कार्यालय में शाम को रंजीत को हिरासत में लिया गया। दरअसल, जांचकताओं ने पाया कि रियल्टी ग्रुप एचडीआईएल को दिये गये रिण पर उनके जवाब असंतोषजनक और विश्वास करने योग्य नहीं हैं। एचडीआईएल यह रकम चुका पाने में नाकाम रहा था। उन्होंने बताया कि बैंक का एक निदेशक होने के अलावा रंजीत बैंक की रिण वसूली कमेटी के सदस्य भी हैं। उल्लेखनीय है कि कथित तौर पर 4355 करोड़ रुपए इस घोटाले के सिलसिले में अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मुंबईः 79 की उम्र में ऑनलाइन डेटिंग, 1.5 करोड़ की लगी चपत

मुंबई। एक 79 वर्षीय शख्स को यूरोपियन महिला के साथ ऑनलाइन डेटिंग के चक्कर में 1.5 करोड़ रुपये की चपत लगी है। मुलुंड पुलिस जल्द ही मामले में केस दर्ज करेगी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित एक रिटायर्ड इंजिनियर है। पुलिस ने बताया कि उसने यूरोपियन महिला के चक्कर में अपनी पत्नी की 1.5 करोड़ की जूलरी बेच दी थी और मुलुंड में अपना फ्लैट बेचने जा रहा था, मगर समय रहते अमेरिका में रह रहे उसके बेटे ने उसे रोक लिया।

पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता इस साल मई में एक 'स्पैनिश महिला' के चक्कर में आ गया था, जिसने खुद का नाम विवियन लोवे बताया था। महिला ने उससे कहा कि वह उसके लिए एक जूलरी का पार्सल भेज रही है। शख्स ने जब वह लेने से इनकार कर दिया, तो महिला ने उसे अनाथालय में दान देने को कहा।

पुलिस ने आगे बताया, कुछ दिन बाद उसके पास एक कस्टम अधिकारी बनकर राधिका शर्मा नाम की महिला ने फोन किया और पार्सल पर कस्टम ड्यूटी देने को कहा। शख्स

ने वह भी दे दिया। एक हफ्ते बाद महिला ने फिर से कॉल किया और बताया कि उसे दिल्ली एयरपोर्ट पर कस्टम वालों ने रोक लिया है और 30 लाख रुपये की जरूरत है। शख्स ने 30 लाख रुपये और दे दिए। पुलिस ने बताया, 'पीड़ित ने अपनी पत्नी के गहने बेचकर रकम जुटाई थी। वह अपना फ्लैट भी बेचने वाला था, मगर अमेरिका में रहने वाले उसके बेटे ने ऐसा करने से रोक लिया।'

मंदी की मार: होटेल मालिक बना अंडरवर्ल्ड का खबरी

मुंबई। एक व्यापारी के महाराष्ट्र में तीन होटेल थे। मंदी की वजह से जब वे बंद हो गए, तो उसने अंडरवर्ल्ड से रिश्ता जोड़ लिया। रवींद्र पुजारी नाम के इस होटेल मालिक को हफ्ता निरोधक प्रकोष्ठ की टीम ने शनिवार को गिरफ्तार किया। सीनियर इंस्पेक्टर अजय सावंत ने बताया कि किला कोर्ट ने आरोपी को 20 नवंबर तक क्राइम ब्रांच की कस्टडी में भेज दिया है।

रवींद्र पुजारी की गिरफ्तारी मुंबई के एक होटेल मालिक की शिकायत पर हुई। इस होटेल मालिक के बिजनेस में दो और पार्टनर भी हैं। पिछले कई दिनों से मालिक और दोनों पार्टनरों को उनके पर्सनल नंबरों पर दस लाख रुपये की उगाही के कॉल्स

आ रहे थे। पहले तो इन लोगों ने इन कॉल्स को करने वाले को कोई खास महत्व नहीं दिया।

पहले कहा कि धंधा मंदा है, इसलिए हफ्ता देने के लिए पैसा ही नहीं है लेकिन जब सामने वाले ने गालियां देनी शुरू कर दीं, तब मामला मुंबई क्राइम ब्रांच चीफ संतोष रस्तोगी और डीसीपी शहाजी उमाप तक पहुंचा। एसीपी नेताजी भोपले और इंस्पेक्टर सचिन कदम की टीम ने जब जांच शुरू की, तो पता चला कि धमकी के लिए नेट कॉलिंग की जा रही है। धमकी देने वाले ने खुद का नाम नहीं बताया, लेकिन शिकायतकर्ता ने उसके कॉल्स टेप कर लिए थे। उस आवाज को सुनकर जांच टीम समझ गई कि धमकी देने वाला डॉन सुरेश पुजारी है। इसके बाद उसके लोगों के बारे में जानकारी निकाली गई, लेकिन कोई सुराग मिला नहीं।

इसी दौरान जांच टीम को होटेल मालिक और उसके दोनों पार्टनरों से पता चला कि वे लोग आम पब्लिक के लिए अलग मोबाइल नंबर और परिवार और कुछ खास परिचितों के लिए अलग मोबाइल नंबर रखते हैं। धमकी भरे कॉल्स इन अलग नंबरों पर ही आ रहे हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

शीत सत्र का आगाज

आज से आरंभ हो रहे संसद का शीतकालीन सत्र कई मायनों में महत्त्वपूर्ण है। आर्थिक सुस्ती को लेकर यदि राजनीतिक दल गंभीर हुए तो इस पर गंभीर बहस हो सकती है। सरकार इस संबंध में उठाए गए कदमों और भविष्य की योजनाओं की रूपरेखा अगर रखती है तो उससे एक साथ कारोबारियों, निवेशकों, किसानों, कामगारों सबको कुछ न कुछ संकेत मिलेगा। सरकार ने सत्र के लिए अपनी कार्यसूची में नागरिकता (संशोधन) विधेयक को सामने रखा है। मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में इस विधेयक को संसद में पेश किया था, लेकिन विपक्ष के विरोध के कारण यह पारित नहीं हो सका था। लोक सभा का कार्यकाल खत्म होने के बाद यह विधेयक भी खत्म हो गया था। इस विधेयक में बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के चलते भागकर 31 दिसम्बर, 2014 तक भारत आए हिन्दू, जैन, सिख, ईसाई और पारसी समुदाय के लोगों को नागरिकता देने का प्रावधान है। पिछली सरकार ने जब यह विधेयक पेश किया था, तब असम समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी विरोध हुआ था। हालांकि उसके बाद हुए लोक सभा चुनाव में पूर्वोत्तर में भाजपा को एकतरफा विजय मिली थी। सरकार का तर्क है कि जो देश हमसे टूटकर बने हैं वहां यदि हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई उत्पीड़ित होते हैं तो वे भागकर भारत ही शरण के लिए आ सकते हैं इसलिए मानवता के आधार पर हमें उन्हें भारत की नागरिता देनी चाहिए। यह एक संवेदनशील मुद्दा है और इसी रु प में इस पर विचार होना चाहिए। शिवसेना राजग से अलग होने के बाद इस पर क्या रु ख अपनाती है यह भी देखना अहम होगा। इसके अलावा दिल्ली में 1,728 अवैध कालोनियों को नियमित करने संबंधी विधेयक, ड्यूटी के दौरान डॉक्टरों पर हमला करने वालों पर जुमार्ना लगाने, कॉर्पोरेट कर दरों में कटौती और ई-सिगरेट पर पाबंदी संबंधी दो अधिसूचनाओं को कानून में बदलने संबंधी विधेयक भी सदन में पेश किया जा सकता है। यह नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल का दूसरा सत्र है। जिस तरह कांग्रेस एवं राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा के तेवर हैं, उन्हें देखते हुए साफ लगता है कि यह विषय संसद में मोचार्बंदी का कारण बनेगा। हालांकि सभी राजनीतिक दलों को समझना चाहिए कि संसद बहस करने कानून बनाने के लिए है। संसद को उसकी सही भूमिका में बनाए रखने की जिम्मेदारी सभी दलों की है।

भाजपा की आक्रामकता सही

भाजपा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ देशव्यापी आक्रामक और प्रचंड प्रदर्शन कर रही है। भाजपा सरकार में होते हुए अगर प्रदर्शन कर रही है तो विचार करना होगा कि यह उपयुक्त है या नहीं? भाजपा की मांग है कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'चोर' कहने के लिए देश से माफी मांगें। राफेल विमान सौदे पर सर्वोच्च न्यायालय के दूसरे फैसले के भी सरकार के पक्ष में आने के बाद उसका आक्रामक होना अस्वाभाविक नहीं है। जिस तरह का अभियान फ्रांस के साथ राफेल विमान सौदे को लेकर सरकार और विशेषकर प्रधानमंत्री के खिलाफ चला वैसा किसी के खिलाफ चलता तो वह भुला नहीं पाता। राहुल गांधी ने तो एकदम आगे बढ़कर 'चौकीदार चोर है' का नारा लगवाना आरंभ किया और यह लोक सभा चुनाव तक प्रधानमंत्री के खिलाफ कांग्रेस का सबसे ज्यादा बोला जाने वाला नारा था। स्वाभाविक ही यह भाजपा को सबसे ज्यादा उत्तेजित करने वाला भी था। एक अंतराल के बाद प्रधानमंत्री ने सीधे इसका सामना करने के लिए 'मैं भी चौकीदार' का नारा दिया। इसका अर्थ यही था कि आप चौकीदार को चोर कहते हो तो हम सारे चौकीदार हैं।

यानी प्रधानमंत्री वाकई ईमानदारी से देश की चौकीदारी कर रहे हैं और हम सब उनके साथ हैं। इस तरह लोकसभा चुनाव के पूर्व एक ओर 'चौकीदार चोर है' तो दूसरी ओर मैं भी चौकीदार आमने-सामने के राजनीतिक मोचार्बंदी का नारा बना हुआ था। लोक सभा चुनाव परिणाम के बाद प्रधानमंत्री ने और उनके बाद भाजपा के सभी लोगों ने अपने नाम के साथ चौकीदार शब्द हटा दिया, लेकिन गुस्सा समाप्त हो गया हो ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है। चौकीदार चोर है का नारा सर्वोच्च न्यायालय गया, क्योंकि राहुल गांधी ने पुनर्विचार याचिका स्वीकार किए जाने के साथ ही कह दिया था कि अब तो न्यायालय ने कह दिया कि चौकीदार चोर है। न्यायालय ने राहुल गांधी को अवमानना का दोषी मानते हुए उनकी बिना शर्त माफी को स्वीकार किया है। चूंकि न्यायालय ने राफेल मामले में दोबारा किसी तरह के भ्रष्टाचार न होने के अपने पूर्व फैसले को भी कायम रखा है तो भाजपा के लिए यह हिंसाब बराबर करने का अवसर है। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले के पैराग्राफ 31 में राहुल गांधी को कन्टेम्प्टर यानी अवमानना करने वाला कहा है। इसमें कहा गया है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि क्या आदेश दिया गया है, इसको पढ़े बिना अवमानना करने वाले ने इस तरह वक्तव्य देना उपयुक्त माना मानो न्यायालय ने प्रधानमंत्री के खिलाफ उसके आरोप को स्वीकार कर लिया है जो कि सच नहीं

था। ऐसा केवल एक वाक्य या किसी एक पर्यवेक्षण में नहीं बल्कि लगतार विभिन्न रूपों में एक ही बात को दोहराया गया। यह पंक्ति पूरी तरह राहुल गांधी के खिलाफ जाती है। राहुल गांधी ने जिस तरह चौकीदार चोर है का नारा लगाना आरंभ किया था उसे देश का बड़ा वर्ग सही नहीं मानता था। कांग्रेस में भी ऐसे लोग थे, जिनका मानना था कि हमारे नेता को ऐसा नारा नहीं लगाना चाहिए। किंतु राहुल गांधी की टीम कहती थी कि इस नारे का असर है और मोदी की स्वच्छ छवि पर आघात हो रहा है। यह सामान्य तौर पर समझने वाली बात है कि किसी को लगातार चोर कहा जाएगा तो उस पर एवं उसकी पार्टी के सदस्यों के मन पर क्या असर होगा? यह किसी एक पक्ष की बात नहीं है।

कल्पना करिए अगर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला किंचित भी सरकार के प्रतिकूल होता तो कांग्रेस एवं विरोधी दलों का रवैया कैसा होता? इस मामले में ही देखिए। न्यायालय ने मूल मामले के फैसले के 25 वें पैरा में लिखा है कि हमारा मत है कि यह पुनर्विचार याचिका बिना किसी योग्यता के है और इस तरह इसे खारिज किया जाता है। इसमें यह भी कहा गया है कि हमारा मूल फैसला भी संविधान की धारा 32 की परिधि में ही था। चूंकि एक न्यायाधीश के. एम. जोजफ ने अलग से फैसला लिखा है, इसलिए उसका आधार बनाकर राहुल गांधी ने ट्वीट किया एवं पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि इस फैसले से आपराधिक जांच का रास्ता प्रशस्त होता है। वे अपनी पुरानी मांग संयुक्त संसदीय समिति से जांच को दोहरा रहे हैं। 14 दिसम्बर 2018 को जब सर्वोच्च न्यायालय ने राफेल सौदे की सीबीआई जांच कराने की मांग की याचिकाएं खारिज की थी तब भी कांग्रेस का यही मत था। यह राजनीतिक क्रूरता और निम्नस्तरीय हठधर्मिता है। साफ है कि राहुल गांधी एवं उनके रणनीतिकार अपनी गलती स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। ठीक है कि न्यायमूर्ति जोजफ ने मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई एवं न्यायमूर्ति संजय किसन कौल से अलग फैसला लिखा है, किंतु पुनर्विचार याचिका खारिज करने का फैसला सर्वसम्मति से है।

न्यायमूर्ति जोजफ ने पहले पैरा में ही लिखा है कि मैं अंतिम फैसले से सहमत हूं; कुछ निश्चित पहलुओं पर मेरा विचार है जिसे मैं अलग मत के रूप में कारणों के साथ दे रहा हूं। इसमें उन्होंने कहीं नहीं कहा है कि आपराधिक धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच होनी चाहिए। उन्होंने केवल इतना कहा है कि पुनर्विचार पर दिया गया फैसला सीबीआई के किसी कार्रवाई के रास्ते में नहीं खड़ा होता। यह एक सामान्य सी टिप्पणी है। कोई किसी मामले में प्राथमिकी दर्ज करा दे तो उसकी जांच हो सकती है। इसमें लिखा ही नहीं है कि सीबीआई से जांच होनी चाहिए। उन्होंने तो 86 वें पैरा में यह लिखा है कि याचिकाकताओं ने जिस ललिता कुमारी मामले का जिक्र कर भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 17 ए के तहत आपराधिक मामला बनाने की कोशिश की उसमें उन्हें सफलता नहीं मिल सकती। इसलिए मेरा मत है कि फैसला पर पुनर्विचार की मांग नहीं टिकती है। बावजूद इसके यदि राहुल गांधी एवं सुरजेवाला ऐसा कह रहे हैं तो भाजपा का गुस्सा बढ़ेगा। अगर सामान्य मानवीयता के माहौल की राजनीति होती तो राहुल गांधी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राफेल सौदे को सही ठहराने के बाद स्वयं सामने आकर कहते कि मुझसे भूल हुई और प्रधानमंत्री और उनके समर्थकों को मेरे वक्तव्यों से जो कष्ट पहुंचा उसके लिए क्षमा मांगता हूं। किंतु राजनीति का समग्र विमर्श माहौल इतना अमानवीय, पाखंडपूर्ण एवं जहरीला हो चुका है कि ऐसे स्वाभाविक शालीन आचरण की कल्पना तक नहीं की जा सकती। जाहिर है, मामला आगे चलेगा। राफेल सौदे में बाजी अब भाजपा के पक्ष में है और उसकी आक्रामकता न्यायसंगत है।

प्रकृति

संतुलित मस्तिष्क की पहचान यह नहीं है कि वह शिथिलता, निष्क्रियता अपनाये और संसार को माया मिया बताकर बे सिर-पैर उड़ाने उड़ने लगें। विवेकवान उद्विग्नता छोड़ने पर पलायन नहीं करते। वे कर्तव्य क्षेत्र में अंगद की तरह अपना पैर इतनी मजबूती से जमाते हैं कि असुर समुदाय पूरी शक्ति लगाकर भी उखाड़ने में सफल न हो सके। पल्रोभनों और दबावों से जो उबर सकता है, उसी के लिये यह सम्भव है कि उत्कृष्टता को वरण करे और आंधी-तूफानों के बीच भी अपने निश्चय पर चट्टान की तरह अडिग रहे। इसके लिए उदाहरण, प्रमाण ढूंढ़ने हों, साथी, सहचर, समर्थक ढूंढ़ने हों तो इर्द-गिर्द नजर न डालकर महामानवों के इतिहास तलाशने पड़ेंगे। अपने समय में या क्षेत्र में यदि वे दिख न पड़ते हो तो भी निराश होने की आवश्यकता नहीं। इतिहास में उनके अस्तित्व और वर्चस्व को देखकर अभीष्ट प्रेरणा प्राप्त की जा सकती है और विास किया जा सकता है कि महानता का मार्ग ऐसा नहीं है, जिस पर चलने से यदि लालची सहमत न हो तो छोड़ देने की बात सोची जाने लगे। वैभववानों की एक अपनी दुनिया है। किन्तु सोचना यह नहीं चाहिए कि संसार इतना ही छोटा है। इसमें एक क्षेत्र ऐसा भी है जिसे स्वर्ग कहते हैं। उसमें सत्प्रवृत्तियों का वर्चस्व है और अपनाने वाले जो भी उसमें बसते हैं, देवोपम स्तर का वरण करते हैं। दैत्यों के संसार में सोने की लंका बनाने और दस सिर जितनी चतुरता और बीस भुजाओं जैसी बलिष्ठता हो सकती है, किन्तु उतना ही सब कुछ नहीं हैं। भागीरथों, हरिश्चंद्रों, प्रह्लादों और दधीचियों जैसी भी एक बिरादरी है। बुद्ध, चैतन्य, नानक, कबीर, रैदास, गांधी, विनोबा जैसे अनेकों ने उसमें प्रवेश पाया है। दयानन्दों और विवेकानन्दों का भी अस्तित्व रहा है। संख्या की दृष्टि से कमी पड़ते देखकर किसी को भी मन छोटा नहीं करना चाहिए। समूचे आकाश में सूर्य और चन्द्र जैसी प्रतिभाएं अपने पराक्रम से संव्याप्त अन्धकार से निरन्तर लड़ती रहती हैं। हार मानने का नाम नहीं लेती। समुद्र में मणि मुक्तक तो जहां-तहां ही होते हैं, सीपों और घोंघों से ही उसके तट पटे पड़े रहते हैं। बहुसंख्यकों को बुद्धिमान अथवा अनुकरणीय मानना हो तो फिर उद्विजों की बिरादरी को वरिष्ठता देनी पड़ेगी। यह बहुमत वाला सिद्धान्त मनुष्य समाज पर लागू नहीं हो सकता। श्रेष्ठता ही सदैव जीतती रही है, श्रेय पाती रही है। हमें अपनी दृष्टि नाव के मस्तूल पर, प्रकाश स्तम्भ पर रखनी चाहिए।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, मंगलवार
19 नवंबर, 2019

उद्धव ठाकरे का 24 नवंबर को अयोध्या जाने का कार्यक्रम स्थगित, सुरक्षा कारणों से लिया फैसला

सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद उद्धव ने अयोध्या जाकर रामलला का आशीर्वाद लेने की बात कही थी

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का 24 नवंबर को अयोध्या जाने का कार्यक्रम स्थगित हो गया। बताया जा रहा है कि सुरक्षा कारणों के चलते यह फैसला लिया गया। साथ ही, महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर भी सियासी सरगर्मी चल रही है। इसे भी उद्धव का कार्यक्रम टलने की प्रमुख वजह माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा कारणों के चलते उद्धव को अयोध्या जाने की अनुमति नहीं मिली। कहा यह भी जा रहा है कि रामजन्म भूमि परिसर की सुरक्षा में लगी एजेंसियों ने राजनीतिक दलों को वहां जाने से मना किया है। अयोध्या विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद उद्धव ठाकरे ने प्रेस कॉफ्रेंस करके इसे भारतीय अस्मिता की बड़ी जीत बताया था। इस दौरान उन्होंने 24 नवंबर को पार्टी नेताओं के साथ अयोध्या जाकर रामलला

का आशीर्वाद लेने की बात भी कही थी। उन्होंने यह भी कहा था, पिछले साल 24 नवबंर को वे अयोध्या गए थे। तब वहां शिवनेरी की मिट्टी लेकर गए थे। इस मिट्टी का ही चमत्कार है कि एक साल के अंदर कोर्ट ने इस पर फैसला दिया। उद्धव ने इसे भारतीय अस्मिता की जीत बताया। उद्धव ने यह भी कहा, वहां (अयोध्या) में एक ऐसी शक्ति है, जिसे मैंने महसूस किया। इसलिए अब मैं बार-बार वहां जरूर जाऊंगा। जन्मभूमि का विवाद अब खत्म हो गया। आज एक हिंदू को न्याय मिला, इसकी खुशी है। उद्धव ने विश्व हिन्दू परिषद् के नेता रहे दिवंगत अशोक सिंघल, भाजपा नेता दिवंगत प्रमोद महाजन, गोपीनाथ मुंडे और भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को भी याद किया था। उन्होंने कहा था कि वे जल्द आडवाणी जी से भी मुलाकात कर उनसे आशीर्वाद लेंगे।

मुंबई देश के क्रूज टूरिज्म का गेटवे

यहां 259 क्रूज और 2 लाख पर्यटक आ सकते हैं

मुंबई। मुंबई देश का क्रूज डेस्टिनेशन बन गया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने देश में घरेलू क्रूज टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए जहाजरानी मंत्री रहने के दौरान कई पहल की थीं। इसके सकारात्मक नतीजे अब सामने आने लगे हैं, क्योंकि अकेले मुंबई में आने वाले क्रूज टूरिस्टों की संख्या अब 86,757 से बढ़कर इस साल के आखिर तक 1.81 लाख होने का अनुमान है। मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के अनुसार देश में 2018 में कुल 285 क्रूज आए। इसमें से अकेले मुंबई पोर्ट पर 106 क्रूज आए। यह देश के किसी शहर में सबसे ज्यादा हैं। इसी वजह मुंबई अब धीरे-धीरे गेट वे फॉर क्रूज टूरिज्म इन इंडिया बनने की ओर बढ़ रहा है। दिसंबर अंत तक देश में कुल 593 क्रूज आने वाले हैं। इसमें से सर्वाधिक 259 क्रूज मुंबई के क्रूज टर्मिनल पर अलग-अलग समय में पहुंचेंगे। मुंबई के डोमेस्टिक क्रूज टर्मिनल से पिछले साल मुंबई से गोवा के लिए अंग्रीया नामक क्रूज सेवा शुरू हुई थी। सूरत और मुंबई के बीच शुक्रवार से शुरू हुई मुंबई मेडन सेवा इसी की अगली कड़ी है। 215 यात्री क्षमता वाले इस क्रूज का किराया 4000 से 5000 रुपए के बीच है। मुंबई मेडन नामक यह क्रूज सेवा महाराष्ट्र मेरीटाइम बोर्ड और गुजरात मेरीटाइम बोर्ड की मदद से एसएसआर मरीन सर्विस ने शुरू की है।

इंटरनेशनल क्रूज टर्मिनल पर 300 करोड़ रुपए खर्च होंगे: मुंबई के भाऊचा धक्का के पर्पल गेट स्थित डोमेस्टिक क्रूज टर्मिनल की पैसेंजर क्षमता 2,000 से बढ़ाकर 4,000 कर दी गई है। इसी तरह इंटरनेशनल क्रूज टर्मिनल की क्षमता दिसंबर तक 3,000 हो जाएगी। इसके विस्तार पर 300 करोड़ खर्च किए जा रहे हैं।

विदेशी क्रूज से 712 करोड़ रुपए टैक्स, 5 हजार को रोजगार: भारत में कोस्टा क्रूज की प्रतिनिधि एवं लोटस डेस्टिनेशन की नलिनी गुप्ता बताती हैं कि भारतीय क्रूज टूरिस्टों की संख्या 2 लाख हो गई है। फिलहाल विदेशी क्रूज टूरिस्टों से 712 करोड़ रु. टैक्स और 5 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार भी मिलता है। मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के मुंबई, कोच्चि, गोवा, न्यू मंगलूर और चेन्नई के क्रूज टर्मिनल के इंफ्रास्ट्रक्चर सुधारे जा रहे हैं। इन पर साल में 955 विदेशी क्रूज पहुंचेंगे तो देश में क्रूज टूरिज्म मार्केट 35 हजार करोड़ तक पहुंच सकता है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

बीएमसी में शिवसेना के खिलाफ प्रत्याशी...

मुंबई के नए मेयर पद पर बीएमसी स्थाई समिति के अध्यक्ष यशवंत जाधव का नाम सबसे आगे चल रहा है। विधानसभा चुनावों के बाद बिगड़े समीकरण के कारण शिवसेना और भाजपा अब अलग-अलग हो चुकी हैं। भाजपा नेता आशीष शेलार ने कहा, भाजपा मुंबई मेयर का चुनाव नहीं लड़ेगी क्योंकि हमारे पास संख्या बल नहीं है। हम विपक्षी दल के साथ कोई गठबंधन नहीं करना चाहते हैं। 2022 में हम अपने दल पर बहुमत हासिल करेंगे। वहीं, कांग्रेस और राकांपा ने शिवसेना को समर्थन देने का फैसला किया है। ऐसे में माना जा रहा है कि अगला मेयर भी शिवसेना का ही होगा। बीएमसी के पिछले चुनाव में शिवसेना के 84 पार्षद चुनाव जीते थे, जबकि भाजपा के 82 उम्मीदवारों को जीत मिली थी। कांग्रेस के 31 पार्षद जीते थे जबकि राकांपा के 7 और समाजवादी पार्टी के 6 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। बाद में 6 निर्दलीय पार्षद शिवसेना में शामिल हो गए थे। नियम के हिसाब से महाराष्ट्र के नगर निगमों में एक टर्म यानि पांच साल के दौरान दो मेयर चुने जाते हैं। मुंबई के अलवा महाराष्ट्र के ठाणे, पुणे और नासिक समेत 27 नगर पालिकाओं में भी मेयर का चुनाव होने वाला है। ठाणे में जहां मेयर पद पर शिवसेना, वहीं पुणे में भाजपा का कब्जा है। दोनों ही जगहों पर ये पार्टियां एक-दूसरे को समर्थन कर रहीं थीं।

सोनिया से मुलाकात के बाद पवार ने कहा...

अब दोनों पार्टियों के नेता बातचीत कर आगे का रास्ता निकालेंगे। बैठक से पहले ही सूत्रों ने न्यूज एजेंसी को बताया था कि सरकार गठन में अभी कुछ दिन का वक्त और लग सकता है। महाराष्ट्र में किसी भी दल द्वारा सरकार न बना पाने की स्थिति को देखते हुए 12 नवंबर को राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था। विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद मुख्यमंत्री पद के मुद्दे को लेकर भाजपा और शिवसेना का गठबंधन टूट गया था। इसके बाद नए सियासी समीकरण बने हैं। इसमें शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा के साथ आ रही है। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने दावा किया कि समझौते के फॉर्मूले पर शिवसेना से चर्चा हुई है। आठवले ने कहा कि मैंने शिवसेना नेता संजय राउत को 3 साल भाजपा और 2 साल शिवसेना के मुख्यमंत्री का सुझाव दिया है। राउत ने कहा कि भाजपा अगर इस पर राजी है तो हम विचार करेंगे।

अठावले ने सुझाया नया फॉर्मूला

उन्होंने कहा, मैंने संजय राउत से बात की और उन्हें 3 और 2 साल का फॉर्मूला सुझाया। इसके तहत तीन साल मुख्यमंत्री बीजेपी का होगा और 2 साल शिवसेना का। रामदास अठावले के मुताबिक संजय राउत ने कहा कि अगर बीजेपी इस पर हामी भरती है तो शिवसेना विचार कर सकती है। अठावले ने कहा कि वह इस बारे में बीजेपी से बातचीत करेंगे। बता दें कि असल में महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद की मांग को लेकर बीजेपी से अलग हो चुकी शिवसेना ने एनडीए की बैठक का बहिष्कार किया था। केंद्रीय मंत्री और एनडीए की सहयोगी रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया के प्रमुख रामदास अठावले ने कहा, शिवसेना मीटिंग में नहीं थी। हालांकि शिवसेना के विनायक राउत सर्वदलीय बैठक में मौजूद थे। मेरा मानना है कि इस समस्या को खत्म किया जाना चाहिए। मैंने अमित भाई (अमित शाह) से भी इस सिलसिले में बोला। रामदास अठावले ने बताया, अमित भाई ने कहा कि सभी चीजें सही दिशा में जा रही हैं। अंत में बीजेपी और शिवसेना ही सरकार (महाराष्ट्र में) बनाएंगी। मुझे लगता है कि शिवसेना को अपना रुख बदलना चाहिए। कांग्रेस शिवसेना को सपोर्ट करने को तैयार नहीं है। रामदास अठावले ने कहा, मैंने अमित भाई (बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह) से कहा कि अगर वह मध्यस्थता करते हैं तो रास्ता निकाला जा सकता है, इस पर उन्होंने (अमित शाह) ने कहा कि चिंता मत करो, सब ठीक हो जाएगा। बीजेपी और शिवसेना सरकार बनाने के लिए साथ आएंगी। वहीं, सोमवार को महाराष्ट्र के अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत रवि राणा ने कहा कि राज्य में बीजेपी और एनसीपी मिलकर सरकार बनाए। बातचीत में राणा ने यह बात कही। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि महाराष्ट्र में एनसीपी और बीजेपी गठबंधन की सरकार बने और ऐसा ही होगा।

राहुल शर्मा की पहली फिल्म एक्सरे के म्यूजिक रिलीज पर पहुंचे अब्बास मस्तान और शक्ति कपूर

निर्माता प्रदीप के शर्मा ने अपनी अगली फिल्म एक्सरे का म्यूजिक लांच अँधेरी के क्लासिक क्लब में रखा जहाँ फिल्म के कलाकार के अलावा अन्य मेहमानों को भी आमंत्रित किया। इस फिल्म में राहुल शर्मा और यशवी कपूर पहली बार नजर आएंगे। इस म्यूजिक रिलीज पे सिंगर स्वाति शर्मा ने लाइव परफॉर्म किया। इस फिल्म का संगीत दिया है राज आशू ने और गीत लिखे हैं शब्बीर अहमद और अलका खान ने। इस फिल्म के निर्देशक हैं राजीव रुइया। फिल्म का ट्रेलर और गीत देखकर सभी ने राहुल शर्मा को बधाई दी। इस म्यूजिक रिलीज पे निर्देशक अब्बास मस्तान, शक्ति कपूर, अवधेश मिश्रा, पंकज बेरी, सुनील पाल, इवेलिन शर्मा, अदिति सिंह, श्रावणी और कई मेहमान आये। राहुल ने यशवी कपूर, स्वाति शर्मा, अदिति शर्मा, स्वाति शर्मा और इवेलिन शर्मा के साथ परफॉर्म किया। टी सीरीज ने इस फिल्म का संगीत रिलीज किया है जिसका गीत जिगलिया एक मिलियन से ज्यादा लोग ने देख लिया है। बाबा मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित ये फिल्म २९ नवंबर को रिलीज होगी।

शिवसेना सांसद राउत का भाजपा पर तंज

उसको अपने खुदा होने पर इतना यकीं था

शिवसेना ने मुखपत्र सामना में किसानों के मुद्दे पर प्रकाशित लेख के जरिए भी भाजपा पर हमला किया

महाराष्ट्र में सरकार गठन के लिए शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के बीच प्रयास जारी है। राकांपा प्रमुख शरद पवार सोमवार को कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे। इस बीच, शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने ट्विटर पर हबीब जलाल का एक शेर पोस्ट किया। माना जा रहा है कि इस ट्वीट के जरिए उन्होंने भाजपा पर इशारों-इशारों में निशाना साधा है।

तुम से पहले वो जो इक शख़्स यहाँ तख़्त-नशीं था
उस को भी अपने खुदा होने पे इतना ही यकीं था :- हबीब जालिब

मुखपत्र सामना के लेख में भाजपा पर हमला: शिवसेना के मुखपत्र सामना में किसानों के मुद्दे पर प्रकाशित लेख के जरिए भी भाजपा पर हमला किया। इसमें मांग की गई है कि किसानों को 25 हजार प्रति हेक्टेयर का मुआवजा दिया जाना चाहिए। जबकि अभी सिर्फ 8 हजार प्रति हेक्टेयर की दर से दिया जा रहा है। लेख में यह भी लिखा गया कि अब जब महाराष्ट्र की जनता ने भाजपा सरकार के लिए वोट नहीं दिया है, तो केंद्र सरकार को किसानों से बदला नहीं लेना चाहिए।

महाराष्ट्र में मंगलवार को राकांपा-कांग्रेस की बैठक: इससे पहले रविवार को राकांपा कोर कमेटी की पुणे में बैठक में हुई। राकांपा नेता नवाब मलिक ने कहा कि सोनिया गांधी और शरद पवार की मुलाकात के बाद मंगलवार को महाराष्ट्र में कांग्रेस-राकांपा नेता बैठक करेंगे। महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन समाप्त होना चाहिए और एक वैकल्पिक सरकार का गठन किया जाना चाहिए।

विकलांग बच्चों ने किया प्रदर्शन

18 नवंबर 2019 को सोमवार की सुबह, लाला लाजपतराय कॉलेज के रोटारैक्ट क्लब के रोटारैक्टर्स द्वारा उत्तेजना का एक नया स्तर देखा। हमने मेगा इनिशियातिव 'अस्तित्व - एक पहचान' तहत एक फ्लैश मॉब किया था जहां विशेष रूप से विकलांग बच्चों ने प्रदर्शन किया था। ११:३० बजे एकलव्य एजुकेशन & रिसर्च एक एनजीओ के बैनर तले छात्र, उन्होंने अपनी साइन लैंग्वेज में राष्ट्रगान पर एक अभिनय किया ताकि लोगों को पता चले कि वे भी अपनी प्रतिभा दिखाने में कम नहीं हैं। 'औरल एजुकेशन फोर deaf' ने बॉलीवुड के हिट गानों पर समूह नृत्य की एक फ्लैश मॉब का प्रदर्शन किया था। उनके इस अद्भुत प्रदर्शन के कारण भीड़ उनके प्रति सजग हो गई थी। इन गैर-सरकारी संगठनों ने सुबह ११:३० बजे मुंबई सेंट्रल स्टेशन में प्रदर्शन किया। रोटरेक्टर्स ने जनता से उनके साथ जुड़ने और उनके प्रदर्शन को देखने की अपील की। 'इस्कॉन टेंपल' ने खाने की सुविधा की थी। फ्लैश मॉब ने यह भी कहा कि इस तरह की ताकतें अलग-अलग क्षेत्रों में मौजूद नहीं हैं। यह उनकी विकलांगता नहीं है बल्कि यह उनकी विशेष क्षमता है।

भारत से 2018-19 में 2 लाख से ज्यादा छात्र अमेरिका गए

चीन के बाद दूसरा देश

भारत से 2018-19 में दो लाख से ज्यादा छात्र अमेरिका गए। इस मामले में चीन सबसे ऊपर है। यहां से 3,69,548 छात्र यूएस गए। भारत चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। सोमवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, चीन लगातार 10वें साल सबसे ऊपर है। 2019 ओपन डोर्स रिपोर्ट ऑन इंटरनेशनल एजुकेशन एक्सचेंज ने कहा कि अमेरिका में विदेशी छात्रों की संख्या 2018-19 शैक्षणिक वर्ष में अब तक का सबसे ज्यादा आंकड़ा है। लगातार चौथे साल यह संख्या दस लाख से ज्यादा है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार 2018 में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विदेशी छात्रों का 44.7 बिलियन डॉलर (करीब 3 लाख 20 हजार करोड़ रु.) का योगदान था। यह

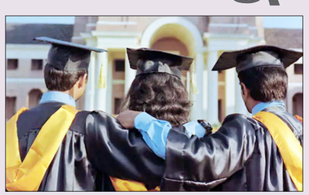

पिछले साल से 5.5% ज्यादा रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, 2018-19 में कुल 10 लाख 95 हजार 299 छात्र अमेरिका गए। कुल विदेशी छात्रों में 50% भारत और चीन से हैं। शैक्षिक और सांस्कृतिक मामलों के राज्य सचिव की सहायक मैरी रोएसे ने कहा- हम अमेरिका में अध्ययन कर रहे विदेशी छात्रों की संख्या में निरंतर वृद्धि देखकर खुश हैं। हम चाहते हैं कि भविष्य में ज्यादा से ज्यादा विदेशी छात्र यहां आए। 2018-19 में अमेरिका में 51.6% अंतरराष्ट्रीय छात्रों ने साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथमेटिक्स (एसटीईएम) के क्षेत्र में पढ़ाई की। मैथ्स और कंप्यूटर साइंस पाठ्यक्रमों में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या 9.4% बढ़ी। यह व्यवसाय और प्रबंधन के लिए अध्ययन का दूसरा सबसे बड़ा पाठ्यक्रम बन गया। 2018-19 में विदेशी छात्रों ने सबसे ज्यादा इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। अमेरिकी संस्थान में 2018-19 में पहली बार दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में 0.9% की कमी आई।

अमेरिकी छात्रों के लिए यूरोप सबसे पसंदीदा जगह: 2017-18 शैक्षणिक वर्ष में 3,41,751 अमेरिकी छात्र विदेश पढ़ने गए। पिछले साल की तुलना में इसमें 2.7% की वृद्धि हुई। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी छात्रों के लिए यूरोप सबसे पसंदीदा जगह रहा। 2017-18 में 54.9% अमेरिकी छात्र पढ़ाई के लिए यूरोप गए। यूके, इटली, स्पेन, फ्रांस और जर्मनी में सबसे ज्यादा अमेरिकी छात्र पढ़ाई कर रहे हैं।

आईएनएक्स केस: सुप्रीम कोर्ट चिदंबरम की याचिका पर सुनवाई को तैयार

हाईकोर्ट ने जमानत देने से इनकार किया था

सुप्रीम कोर्ट पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम की जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए राजी हो गया है। चीफ जस्टिस एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ मंगलवार या बुधवार को इस पर सुनवाई करेगी। चिदंबरम आईएनएक्स मीडिया से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं, जबकि भ्रष्टाचार के मामले में उन्हें जमानत मिल गई थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने 15 नवंबर को आरोपों को गंभीर बताते हुए उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि इसमें कोई शक नहीं है कि जमानत लेना उनका अधिकार है, लेकिन ऐसे मामले में

अगर जमानत दी जाती है तो यह बड़े पैमाने पर लोगों के हितों के खिलाफ होगा क्योंकि उन पर गंभीर आरोप हैं। चिदंबरम पर आईएनएक्स मीडिया घोटाले में सक्रिय और मुख्य भूमिका निभाने का आरोप है। ईडी और सीबीआई अलग-अलग मामलों में उनके खिलाफ जांच कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने 22 अक्टूबर को उन्हें भ्रष्टाचार मामले में जमानत दे दी थी। मगर ईडी केस में जमानत मिलने के बाद ही वे जेल से बाहर आ सकेंगे। इससे पहले सीबीआई ने चिदंबरम को 21 अगस्त को गिरफ्तार किया था।

ईडी ने चिदंबरम की जमानत का विरोध किया था: कोर्ट ने हाल ही में चिदंबरम की न्यायिक हिरासत 27 नवंबर तक बढ़ा दी थी। इस पर चिदंबरम के वकील ने कोर्ट से कहा था कि उन पर देश छोड़कर जाने, गवाहों को प्रभावित करने और साक्ष्यों से छेड़छाड़ करने जैसे कोई आरोप नहीं हैं। ऐसे में उन्हें नियमित जमानत दी जानी चाहिए। ईडी ने चिदंबरम की जमानत याचिका का विरोध किया था। एजेंसी ने कोर्ट से कहा था कि चिदंबरम को अगर जमानत मिलती है, वे साक्ष्यों को प्रभावित कर सकते हैं।

राम मंदिर निर्माण: निर्मोही अखाड़े ने की ट्रस्ट में अहम भूमिका देने की मांग, प्रधानमंत्री से मिलेंगे संत

राम मंदिर निर्माण के लिए बनने वाले ट्रस्ट में अहम भूमिका देने की मांग को लेकर निर्मोही अखाड़ा अगले हफ्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेगा। सोमवार को अखाड़े के साधु-संतों की बैठक में यह फैसला लिया गया। अखाड़े के प्रवक्ता रंजीत लाल वर्मा ने कहा, राम जन्मभूमि मंदिर में निर्मोही अखाड़े की ऐतिहासिक उपस्थिति है और रामलला को पूजने का अधिकार हमेशा निमोही अखाड़े के पास रहा है। अखाड़े के महंत दिनेंद्र दास ने कहा- मंदिर निर्माण में निर्मोही अखाड़ा सकारात्मक भूमिका निभाएगा। अखाड़े को राम जन्मभूमि न्यास के मॉडल पर मंदिर निर्माण करने पर आपत्ति नहीं है। साथ ही निर्माण में न्यास की कार्यशाला में तराशकर रखे गए पत्थरों का इस्तेमाल करने पर भी कोई ऐतराज नहीं है। अयोध्या भूमि विवाद में पक्षकार रहे

निर्मोही अखाड़े का संबंध रामानंदी वैष्णव संप्रदाय से है। अखाड़ा रामलला की पूजन के अधिकार की मांग करता रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी केंद्र सरकार से ट्रस्ट में निमोही अखाड़े को प्रतिनिधित्व देने को कहा था। बैठक में महंत दिनेंद्र दास, सरपंच राजा रामचंद्राचार्य, भगवानदास, मनमोहन दास, नरसिंह दास, धनश्याम दास, सुरेश दास, रामसेवक दास सहित करीब 25 प्रमुख साधु-संत शामिल हुए। इससे पहले रविवार को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के वरिष्ठ नेता मिलिंद परांडे ने कहा था कि राम मंदिर के लिए 60% निर्माण सामग्री और नक्शा तैयार है। विवादित जमीन रामलला को सौंप दी गई है और दूसरी बुनयादी चीजों का हम ख्याल रख रहे हैं। उन्होंने कहा था कि केंद्र अगर व्यवस्था बनाए, तो हिंदू समाज तुरंत राम मंदिर का निर्माण कार्य शुरू कर सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

दिल्ली के पानी की रिपोर्ट 'झूठी' और राजनीति से प्रेरितः केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के पानी पर भारतीय मानक ब्यूरो की रिपोर्ट को झूठी और राजनीति से प्रेरित करार दिया। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में पीने का पानी गुणवत्ता जांच में असफल रहा है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री राम विलास पासवान ने शनिवार को भारतीय मानक ब्यूरो के अध्ययन के दूसरे चरण की रिपोर्ट जारी की, जिसमें कहा गया है कि दिल्ली के साथ ही कोलकाता और चेन्नई के पानी के नमूने जांच के 11 मानकों में से दस में असफल रहे हैं।

दिल्ली के कुछ हिस्सों में रविवार को आम आदमी पार्टी सरकार पर हमला बोलते हुए लगाए गए पोस्टर देखे गए, जिसमें आरोप लगाया गया था, 'मुफ्त पानी के नाम पर जहर पिला रहे हैं अरविंद केजरीवाल।' चांदनी चौक के सांसद

और केंद्रीय मंत्री हर्ष वर्धन ने ऐसे ही एक पोस्टर को ट्विटर पर साझा करते हुए लिखा है, 'मुफ्त पानी के नाम पर दिल्ली की जनता को जहर पिला रहे हैं अरविंद केजरीवाल। देश के 20 शहरों के पानी पर हुए सर्वेक्षण में दिल्ली का पानी सबसे ज्यादा जहरीला पाया गया। विकास के बड़े-बड़े दावे करने वाली आम आदमी पार्टी सरकार लोगों को साफ पानी तक मुहैया कराने में नाकाम रही है।'

इस पर जवाब देते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया, 'सर, आप तो डॉक्टर हैं। आप जानते हैं कि ये रिपोर्ट झूठी है, राजनीति से प्रेरित है। आप जैसे व्यक्ति को ऐसी गंदी राजनीति का हिस्सा नहीं बनना चाहिए।'

वहीं केंद्रीय मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने सीएम के ट्वीट का जवाब देते हुए कहा, 'अरविंद केजरीवाल जी, मैं देश का स्वास्थ्य मंत्री हूं और एक डॉक्टर भी, इसलिए आपको सलाह दे रहा हूं कि राजनीति में शुचिता बहुत जरूरी है। पिछले 5 साल में आपने कौन से 5 कदम वायु व जल प्रदूषण को कम करने के लिए उठाए,वो बताइए। प्रदूषित पानी की तस्वीरें जनता पोस्ट कर रही है। इस्तीफा दीजिए।'

जनसंख्या नियंत्रण कानून बन जाए तो राजनीति से अलग हो जाऊंगा-गिरिराज सिंह

पटना। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि अब उनका राजनीति से अलग होने का वक्त आ गया है। गिरिराज ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर स्थापना का उनका काम पूरा हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अब बस जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून बन जाए तो वह राजनीति से खुद को अलग कर लेंगे।

बीजेपी के फायर ब्रैंड नेता कहे जाने वाले गिरिराज ने राजनीति से संन्यास की बात कहकर सबको चौंका दिया है। शनिवार को उन्होंने कहा, 'अयोध्या में राम मंदिर स्थापना का मेरा काम तो पूरा हो गया है। मेरे जैसे लोग का अब राजनीति से विदा लेने का वक्त आ गया है। खासकर जनसंख्या नियंत्रण कानून हो जाएगा तो मैं राजनीति से खुद को अलग कर लूंगा।'

बता दें कि अपने बयानों के लिए अकसर चर्चा में रहने वाले गिरिराज सिंह बिहार की बेगूसराय लोकसभा सीट से सांसद हैं। वह केंद्र सरकार में पशुपालन, डेयरी और मछली पालन मंत्री भी हैं।

उत्तर प्रदेश में एमएलसी चुनाव लड़ने को लेकर बीएसपी में सस्पेंस बरकार

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी अभी हाल में हुए विधानसभा उपचुनाव में जीरो पर आउट होने के बाद फूंक-फूंक कदम रखना चाह रही है। इसी को ध्यान में रखकर बीएसपी के 11 सीटों पर संभावित स्नातक और शिक्षक विधान परिषद चुनाव लड़ने पर सस्पेंस बरकार है। पार्टी का एक धड़ा चुनाव लड़ने की सलाह दे रहा है तो दूसरा धड़ा इस चुनाव से तौबा कर सीधे वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में तैयारी के साथ आने की बात कर रहा है। इस पर निर्णय मायावती को लेना है, मगर वह अभी इस मामले पर चुप हैं।

मायावती ने फिलहाल पार्टी की मजबूती के लिए विभीषणों की छंटनी का काम तेज कर दिया है। वहीं, पार्टी के मूल वोटबैंक में सेंध लगते देख उन्होंने अब मुस्लिम वोटबैंक पर निगाहें लगा रखी हैं। इस तरह बीएसपी संगठन में बदलाव की बयार तेज हो गई है। बीएसपी के समक्ष वर्तमान में जनाधार बचाने की बड़ी चुनौती है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मुनकाद अली ने बताया कि स्नातक और शिक्षक विधान परिषद सदस्य चुनाव पर अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है। हालांकि इसे लेकर कुछ लोग तैयारी कर रहे हैं।

लोकसभा चुनाव में बीएसपी ने एसपी के साथ गठबंधन कर 10 सीटें जीतीं, लेकिन इसके कुछ ही माह बाद प्रदेश की 11 सीटों पर हुए उपचुनाव में बीएसपी को एक भी सीट नहीं मिली। अपने कब्जे वाली अंबेडकर नगर सीट हारने के बाद बीएसपी ने संगठन के विभीषणों को चिन्हित कर उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाना शुरू किया है। इधर बीच महज एक पखवाड़े में बीएसपी प्रमुख मायावती ने पार्टी के करीब एक दर्जन कद्दावर नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

जिन नेताओं को निकाला गया है, उनमें पूर्व मंत्री नारायण सिंह सुमन, पूर्व विधायक योगेश शर्मा, काली चरण सोनकर, सुनील कुमार चित्तौड़ सहित कई जिलाध्यक्ष शामिल हैं। साथ ही, दलितों की राजनीति करने वाली नई नवेली भीम अर्मी सेना के करीबी नेताओं पर बीएसपी की खास नजर है। चर्चा यह भी है कि बीएसपी का पार्टी

में सफाई अभियान अभी जारी रहेगा। वर्ष 2022 के आम चुनाव में पूरे दमखम के साथ उतरने की तैयारी कर रही बीएसपी हाल में होने वाले विधान परिषद चुनाव को लेकर मगर पसोपेश में है।

उधर, बीएसपी के कोर दलित वोटबैंक में बीजेपी लगातार सेंध लगाने का काम कर रही है। इसके लिए वह सरकारी योजनाओं का सहारा ले रही है। इसमें बीजेपी काफी सफल होती भी दिख रही है। ऐसे में बीएसपी अब अपने वोटबैंक की भरपाई के लिए मुस्लिमों पर डोरे डालने में जुट गई है। यही वजह है कि पार्टी को उपचुनाव में सफलता न मिलने पर भी प्रदेश अध्यक्ष मुनकाद अली को हटाया नहीं गया। मगर लोकसभा में पार्टी नेता की जिम्मेदारी निभा रहे श्याम सिंह यादव को हटाकर उन्हें संगठन में कार्य करने की सलाह दी गई है।

इस बीच सांसद दानिश अली को संसद में पार्टी का नेता मनोनीत किया गया है। इस तरह बीएसपी की निगाहें मुस्लिम मतों पर हैं। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक रतनमणि लाल का कहना है, ह्यबीएसपी अपनी ताकत का अंदाजा लगाने के लिए स्नातक चुनाव में उतरेगी।' उन्होंने कहा कि इस समय बीएसपी में न पहले वाला कैडर बचा है और न ही विश्वास पात्र नेता हैं, इसीलिए एकराय बनाने में देर हो रही है और इस चुनाव को लेकर सस्पेंस बरकार है। पार्टी मजबूत होती तो अब तक फैसला हो जाता।

74 प्रतिशत माता-पिता चाहते हैं स्कूलों में पलूशन की छुट्टियांः सर्वे

नई दिल्ली। अबतक हमने स्कूलों में सर्दियों की छुट्टी, गर्मियों की छुट्टियां सुना था। लेकिन बढ़ते प्रदूषण की वजह से अब पैरंट्स चाहते हैं कि प्रदूषण की छुट्टियां भी मिलें। दरअसल, हाल में प्रदूषण की वजह से दिल्ली-एनसीआर में दो बार स्कूलों को बंद करवाया गया। अब दिल्ली-एनसीआर के 70 प्रतिशत पैरंट्स मानते हैं कि स्कूलों में 'पलूशन ब्रेक' भी होना चाहिए। यह बात एक सर्वे में निकलकर आई है। पैरंट्स चाहते हैं कि ये छुट्टियां 1-20 नवंबर की हुआ करें।

पूरे एनसीआर से करीब 10 हजार लोगों ने इस सर्वे में हिस्सा लिया था। पैरंट्स को लगता है कि पहले से छुट्टियां तय होंगी तो बच्चों की पढ़ाई पर असर नहीं होगा। यह सर्वे लोकल सर्कल नाम की संस्था ने करवाया है। सर्वे के मुताबिक दिल्ली, फरीदाबाद, नोएडा और गुड़गांव के 74 प्रतिशत लोग मानते हैं कि हर साल 1-20 तारीख तक स्कूलों की छुट्टियां कर दी जाएं। पलूशन का लोगों पर कैसा असर हो रहा है, इसपर 13 प्रतिशत ने माना कि इस दौरान वे एक से ज्यादा बार हॉस्पिटल जा चुके हैं।

बता दें कि पिछले दिनों दिल्ली-एनसीआर में दो बार एयर इमर्जेंसी लगाई गई। इसमें सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित पैनल

पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण प्राधिकरण (ईपीसीए) ने दोनों बार स्कूलों को बंद किया। स्कूलों ने भी सावधानी बरतते हुए हर बच्चे को मास्क पहनकर आने के लिए कहा हुआ है। कुछ स्कूलों ने एयर प्यूरीफायर भी लगवाए हैं।

दिल्ली-एनसीआर छोड़ना चाहते हैं लोग

ऐसा ही एक सर्वे कुछ दिन पहले भी किया गया था। इसमें एनसीआर के 40 प्रतिशत लोगों ने कहा था कि वह पलूशन की वजह से किसी दूसरी शहर में जाकर बसना चाहते हैं। वहीं 16 प्रतिशत ने कहा था कि वह इस दौरान यहां से कहीं घूमने चले जाना चाहते हैं।

बिजनौर में नहर में समाई तेज रफ्तार कार, चार डूबे

मेरठ। बिजनौर जिले में रविवार सुबह पूर्वी गंगनहर बाईपास मार्ग पर एक कार अनियंत्रित होकर गंग नहर में गिर गई। कार सवार पौड़ी निवासी रोहित कुमार सकुशल बाहर निकल आए, लेकिन चार लोग लापता हैं। पुलिस ने क्रेन और राहगीरों की मदद से कार को नहर से बाहर निकाला। चारों की तलाश की जा रही है। एसपी बिजनौर ने मौके पर जाकर लापता कार सवारों की तलाश तेज करने के निर्देश दिए।

उत्तराखंड़ के जिला पौड़ी के थाना सतपुली के गांव पोखरीखाल निवासी रोहित कुमार देहरादून में नौकरी करते हैं। रोहित पौड़ी निवासी दोस्त की शादी में शामिल जा रहे थे। वह टैक्सी कार यूके 07टीबी 6376 में सवार थे। देहरादून के शिवपुरी निवासी चालक केशव कार चला रहा था। सुबह करीब चार बजे चंदक हेड के निकट कार नहर में जा गिरी। रोहित किसी तरह तैरकर सकुशल बाहर निकल आए। रोहित के शोर मचाने पर राहगीरों ने मदद की और पुलिस को बुलाया। पुलिस ने क्रेन से कार को नहर से बाहर निकाला। कार चालक समेत चार लोग लापता हैं।

एसपी बिजनौर ने मौके पर जाकर नजीबाबाद, नांगल, मंडावली, कीरतपुर की पुलिस टीमों और पीएसी के गोताखोरों को तलाश में लगाया। एसडीएम संगीता, सीओ प्रवीण कुमार सिंह समेत अफसरों का दल बचाव कार्य में लगा रहा।

तीन देशों की सांस्कृतिक और व्यापारिक विरासत का अद्भुत संगम है ' जौलजीबी' का यह मेला

कल्चर और नेचर से बेपनाह मोहब्बत है तो पिथौरागढ़ में चल रहे 'जौलजीबी' मेले को अपनी ट्रैवल लिस्ट में ऐड ऑन कर लें। तीन देशों भारत, चाइना और नेपाल की अनूठी संस्कृति को एक ही जगह पर लाने वाला यह मेला अपने आप में बेहतरीन संगम है। तो इस बार वीकेंड्स पर आप यह बेहद खास ट्रिप इंजॉय कर सकते हैंबता दें कि यह मेला 24 नवंबर तक जारी रहेगा।

तीन नदियों का संगम 'जौलजीबी'

पिथौरागढ़ से तकरीबन 68 किलोमीटर की दूरी पर स्थित 'जौलजीबी' फेमस टूरिस्ट स्पॉट है। इसकी खासियत यह है कि यह तीन नदियों गोरी, काली और सरयू का संगम स्थान है। इसी संगम स्थान पर हर साल दस दिवसीय 'जौलजीबी मेले' का आयोजन होता है।

तीन देशों की साझी संस्कृति

जौलजीबी मेले में भारत के अलावा नेपाल और चाइना के लोग शामिल होते हैं। जो यहां पर अपने स्टॉल लगाते हैं। मेले में आपको कई तरह की हस्तनिर्मित वस्तुएं मिलेंगी। साथ ही नेपाल और चाइना के स्थानीय समानों के भी स्टॉल लगते हैं।

इन्होंने की थी शुरूआत

बता दें कि इस 'जौलजीबी मेले' की शुरूआत अस्कोट के ताल्लुकेदार गजेंद्र बहादुर पाल ने की थी। पहली बार मेले का 1914 में हुआ था। इसके बाद से यह आयोजन हर साल होने लगा।

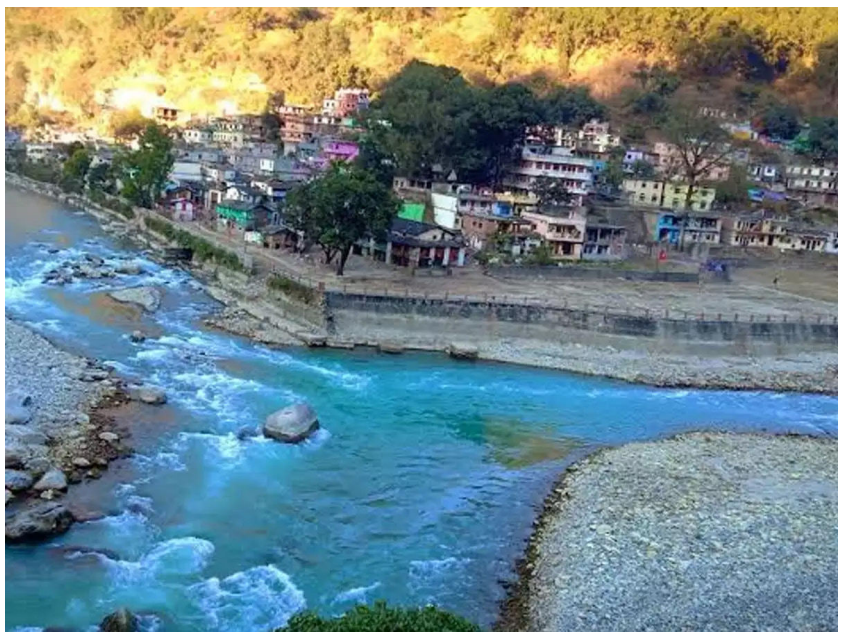

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
भ्रमण पर जाने से व्यय भार बढ़ सकता है। माता पिता की सेहत की चिंता रहेगी। किसी अजनबी पर विश्वास हानिकारक हो सकता है।

सिंह
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी।

धनु
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कुसंगति से बचें। राजकीय बाधा दूर होगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें।

वृष
कार्यों के प्रति उत्साह बना रहेगा। पति पत्नी के बीच मामूली अनबन हो सकती है। संतान आपकी बातों से प्रभावित होगी।

कन्या
खानपान नियंत्रित व संतुलित रखें। मौसमी बीमारियां परेशान कर सकती हैं। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बन सकती है।

मकर
क्रोध व वाणी पर नियंत्रण रखें। मित्रों पर आंख बंद कर विश्वास न करें। भूमि भवन के कार्यों के सिलसिले में यात्रा हो सकती है।

मिथुन
भूमि या भवन में निवेश लाभदायक हो सकता है। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। नए व्यापारिक अनुबंध हो सकते हैं।

तुला
आय बढ़ाने हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रह सकती है। आर्थिक पक्ष बेहतर रहने से मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ
जीवनसाथी को उपहार दे सकते हैं। राजकीय कार्यों में सफलता मिल सकती है। मित्रों के साथ आमोद प्रमोद में समय व्यतीत होगा। व्यापार में साझेदारी से लाभ हो सकता है।

कर्क
जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। शत्रु की प्रबलता रह सकती है। जरुरी न हो तो निवेश न करें।

वृश्चिक
पैसा आने से पहले ही जाने का रास्ता तैयार रहेगा। आप किसी साजिश का शिकार हो सकते हैं। खानपान पर नियंत्रण रखें।

मीन
जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। संतान आपकी बातों से प्रभावित होगी। माता पिता की सेवा का भाव रहेगा।

यादगार विंटर ट्रिप पर जाना है तो इन बेस्ट डेस्टिनेशन्स को चुन सकते हैं

नवंबर के शुरूआती सप्ताह में हल्की-हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। फेस्टिव सीजन भी खत्म हो चुका है, लेकिन कई लोग ऐसे भी हैं, जो वकेशन प्लान करने की सोच रहे हैं, क्योंकि उन्हें सर्दी के मौसम में घूमना पसंद है। अगर आप भी कुछ ऐसा ही प्लान कर रहे हैं तो हम आपको विंटर के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन्स के बारे में बता रहे हैं। जहां की शानदार ट्रिप आपको हमेशा याद रहेगी। आइए जानते हैं...

जैसलमेर, राजस्थान

राजस्थान के शहर जैसलमेर को गोल्डन सिटी भी कहा जाता है। आप सर्दियों के दौरान जैसलमेर घूमने का प्लान बना सकते हैं। सर्दियों में सूर्य की पहली किरण जब शहर पर पड़ती है, तो पूरा शहर सुनहरा नजर आने लगता है। राजस्थान का यह शहर घूमने के लिए बढ़िया जगह है। यहां घूमने आने वाले पर्यटक जैसलमेर की सड़कों पर सैर, वहां की मार्केट में खरीदारी और राजस्थानी खाने का स्वाद ले सकते हैं।

कच्छ रण उत्सव, गुजरात

कुछ दिन तो गुजारिए गुजरात में, अमिताभ बच्चन को कई बार आपने ये कहते हुए टीवी पर देखा होगा। लेकिन नवंबर का महीना सही में कुछ दिन तो गुजरात में गुजारने के लिए खास होता है। गुजरात में होने वाले कच्छ रण उत्सव में शामिल होने के लिए सिर्फ देश से ही नहीं बल्कि दुनियाभर से लोग आते हैं। उत्सव 28 अक्टूबर 2018 से शुरू हो चुका है और यह 23 फरवरी 2020 तक चलेगा। यहां आपको आर्ट, म्यूजिक, कल्चर के साथ ही राज्य के कई तरह के अट्रैक्शन देखने को मिलेंगे। इसमें मास्टर बुनकर, संगीतकार, लोक नर्तक और गुजरात राज्य से सबसे अच्छा व्यंजन निमार्ताओं सहित कारीगर भी शामिल होते हैं।

दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल

भारत के टॉप टूरिस्ट डेस्टिनेशन की लिस्ट में क्वीन ऑफ हिल्स कहे जाने वाले दार्जिलिंग का नाम भी शामिल है। नवंबर के आखिरी सप्ताह से लेकर जनवरी तक दार्जिलिंग में जबरदस्त ठंड पड़ती है। इस समय आप दार्जिलिंग में घूमने और साइटसीइंग का मजा तो ले सकते हैं, क्योंकि यहां पूरे दिन आसमान साफ रहता है और धूप खिली रहती है। लेकिन शाम और रात में ठंड बहुत होती है।

बोधगया, बिहार

बिहार के गया जिले में स्थित बोधगया सिर्फ भारत में ही नहीं दुनिया भर में मशहूर है। यह बौद्ध धर्म के अनुयायियों का प्रमुख स्थान है। दुनियाभर से पर्यटक पूरे साल ही बोधगया घूमने आते हैं। यहां भगवान बुद्ध के कई अदभुत मंदिर और प्रतिमाएं हैं।

जीरो वैली, अरुणाचल प्रदेश

प्रकृति के नजदीक और शहरी शोर-शराबे से दूर शांति का अनुभव करना चाहते हैं, तो आपको अरुणाचल प्रदेश के जीरो वैली आना चाहिए। जीरो वैली में आप ग्रुप या सोलो ट्रिप प्लान कर सकते हैं और यकीन मानिए यहां बिताए गए समय को आप कभी भूल नहीं पाएंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

वायरल बुखार से बचना है तो अपनाएं ये घरेलू उपचार

इस मौसम में वायरल बुखार होना आम है। वायरल फीवर इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है, जिससे शरीर में तेजी से ईंफेक्शन बढ़ता जाता है। वायरल फीवर में बॉडी का टेम्प्रेचर बढ़ने के साथ गले में दर्द, खांसी, सिर दर्द, थकान, जोड़ों में दर्द और आंखों का लाल होना अन्य जैसे संकेत दिखने लगते है। ऐसे में जरूरी है कि कुछ जरूरी बातों पर ध्यान रख कर वायरल फीवर से बचा जा सकता है।

ध्यान रखें जरूरी बातें:-

- पानी को हमेशा उबाल कर या प्यूरीफाय पानी पिएं।
- खांसते या छींकते समय मुंह पर रुमाल रखें।
- अपना टॉवल अलग रखें।
- बाहर का खाना बिल्कुल न खाएं।
- बाहर जाते समय हमेशा अपना मुंह और नाक ढक लें।
- किसी भीड़ वाली जगह पर जाने से बचें।

घरेलू नुस्खों से करें वायरल बुखार कम :-

- आलू

आलू के टुकड़ों को विनेगर में भिगोएं और फिर किसी साफ कपड़ें पर लपेटकर माथे पर रखें। बुखार कम होगा।

- नींबू

नींबू के टुकड़े अपने तलवों पर रगड़ें या फिर मोजे में नींबू का टुकड़ा डालकर रातभर ऐसे ही रखें। राहत मिलेगी।

- लहसुन

लहसुन का पेस्ट बनाकर उसमें शहद मिला लें। इसके अलावा लहसुन की कलियों को सरसों तेल में तलकर, उससे तलवो की मालिश करें।

- तुलसी

4-5 गिलास पानी में तुलसी की 30-45 पत्तियां मिलाएं। फिर उसमें अदरक और 4-5 लौंग मिलाकर उबाल लें। दिन में हर 2 घंटे बाद इस पानी का सेवन करें।

- नीम

नीम की पत्तियों को चबाए या फिर नीम की पत्तियों को पानी में उबालकर उस पानी से नहाएं। बुखार में काफी आराम मिलेगा।

सफेद नहीं, रोजाना काले चावल के सेवन से दूर होंगी कई बीमारियां

अक्सर रात को लोग दाल सब्जी के साथ चावल खाना ही पंसद करते हैं, लेकिन सफेद चावल खाना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। ऐसे में चावल खाने के शौकिन लोग डिनर या ब्रेकफास्ट में सफेद की बजाए काले चावल खा सकते है। व्हाइट और ब्राउन राइस की तुलना में ब्लैक राइस खाना सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद होते है। आइए जानते है रोजाना ब्लैक राइस खाने से आपको क्या-क्या फायदे हो सकते है।

1. दिल की बीमारियां

सफेद और बाउन चावल के मुकाबले काले चावल में पाया जाने वाला एंथोसाइनिन तत्व धमनियों में प्लाक्स नहीं जमने देता। इससे आप दिल की बीमारियों से बचे रहते है।

2. अल्जाइमर

इसमें पाए जाने वाले एंटी-ऑक्सीडेंट के गुण दिमाग को तेज करके आपको अल्जाइमर की बीमारी से बचाते है।

3. ब्रेस्ट कैंसर

फाइबर की मात्रा से भरपूर ब्लैक राइस शरीर में पोषक तत्वों की कमी को पूरा करके आपको ब्रेस्ट कैंसर और मधुमेह की बीमारियों से दूर रखता है।

4. सूजन की समस्या

काले चावल लीवर में से विषैले प्रदार्थ निकाल कर सूजन और दर्द की समस्या को कम करता है।

5. प्लैक

हाई ब्लड प्रेशर या कोलेस्ट्रॉल की बीमारी वाले लोगों को प्लैक बनने की समस्या हो सकती है। ऐसे में रोजाना काले चावल का सेवन धमनियों को सख्त होने से बचा कर प्लैक बनने से रोकता है।

6. डिटॉक्स

काला चावल प्रोटीन और एंटी-ऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर होने के कारण आपके शरीर को डिटॉक्स करके कमजोरी और थकावट को दूर करता है। इसके अलावा रोजाना काले चावल खाने से वजन भी कम होता है।

Dandruff और Hairfall रोकेगा मेथी दाना, आप भी करें इस्तेमाल

सर्दी के मौसम में सेहत के साथ-साथ बालों की खास केयर करने की भी बहुत जरूरत होती है। इस शुष्क मौसम में बालों में रूसी होना आम बात हैं लेकिन इससे बाल कमजोर और टूटने लगते हैं। वैसे तो रूसी से छुटकारा पाने के लिए मार्किट में तरह-तरह के शैंपू आसानी से मिल जाते हैं लेकिन कैमिकल युक्त इन प्रॉडक्ट से बालों को नुकसान हो सकता है। ऐसे में घरेलू तरीके से इस समस्या से आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है।

बालों के लिए बैस्ट है मेथी

मेथी बालों के लिए बैस्ट मानी गई है। इसमें मौजूद एसिड और प्रोटीन बालों को स्वस्थ और मजबूत बनाने का काम करते हैं। मेथी दाने का इस्तेमाल हेयर मास्क के रूप में करने से रूसी और झड़ते बालों से छुटकारा मिलता है।

1. रात को 2 चम्मच मेथी पानी में भिगोकर रख दें और सुबह इसका पेस्ट तैयार कर लें। बाल रूखें हैं तो इसमें दही और नींबू का रस भी मिक्स कर सकते हैं। इस पेस्ट को बालो पर लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें और माइल्ड शैंपू से बालों को धो लीजिए।

2. बालों को झड़ने से रोकने के लिए 2 चम्मच मेथी के बीज को पीसकर 1 चम्मच नारियल के तेल में मिक्स कर लें। इसे बालों की जड़ों पर लगाकर सूखने दें और फिर शैंपू से बाल धो लें।

3. मेथी के पत्तों को पानी में उबाल कर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में दही मिलाकर आधे घंटे के लिए बालों की जड़ों में लगाएं और बाद में धो लीजिए। इससे रूसी और बालों का झड़ना बंद हो जाएगा।

4. दूध में मेथी के दानों का पाउडर मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे बालों पर लगाने से बाल नर्म और मुलायम हो जाते हैं। इसके साथ ही डैडर्फ से भी छुटकारा मिलता है।

चेहरे के दाग धब्बों और झाइयों से न हो परेशान, आजमाएं ये घरेलू तरीके

बढ़ती उम्र के साथ चेहरे पर झाइयां होना आम बात है। इससे छुटकारा पाने के लिए महिलाए मंहगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का सहारा लेती है लेकिन किसी से भी आपको कोई फ्रक दिखाई नहीं देता। इसकी बजाए कुछ घरेलू उपाए करके आप झाइयों से लेकर इनके दागों से हमेशा के लिए छुटकारा पा सकती है।

1. शहद और सिरका

½ टीस्पून शहद में 4-5 बूंद सिरके की मिला कर चेहरे पर लगा लें। इसके बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। इसे हफ्ते में दो बार लगाने से कुछ समय में ही झाइयां साफ हो जाएंगी।

2. चंदन

झाइयों और दाग धब्बों को दूर करने के लिए ½टीस्पून चंदन, ½ टीस्पून हलदी और थोड़ी से केसर और दूध मिलाकर 20 मिनट तक चेहरे पर लगा कर ठंडे पानी से धो लें।

3. खीरे का रस

खीरे का रस (½ टीस्पून), गाजर का रस (1 टीस्पून) और टमाटर का रस (1 टीस्पून) को अच्छी तरह मिला कर 20 मिनट चेहरे पर लगा लें। दाग-धब्बों और झाइयों को दूर करने के लिए यह चेहरे पर ब्लीच की तरह काम करता है।

4. संतरे का छिलका

इसके छिलके का पाउडर बनाकर उसमें गुलाबजल मिलाकर चेहरे पर लगा लें। यह चेहरे के दाग धब्बे और झाइयों को दूर करके उसे कोमल और आकर्षक बनाता है।

5. आंवला

आंवले और नींबू के रस को बराबर मात्रा में मिला कर चेहरे और गर्दन पर मालिश करने से झाइयां धीरे-धीरे मिट जाती है। इसके अलावा इससे सांवलापन भी दूर होता है।

6. मूली का रस

मूली के रस में ½ टीस्पून शहद मिला कर चेहरे पर लगाने से झाइयां और दाग धब्बे दूर हो जाते है। इसमें पाए जाने वाले तत्व चेहरे को सुंदर, मुलायम और आकर्षक बनते है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, मंगलवार
19 नवंबर, 2019

टेस्ट क्रिकेट को कायाकल्प की जरूरत: गांगुली

कोलकाता। भारत में पहले दिन-रात्रि टेस्ट के आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले बीसीसीआई अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने रविवार को कहा कि खेल के पारंपरिक प्रारूप में दिलचस्पी बढ़ाने के लिए ह्यकायाकल्प की आवश्यकता हैह्व। भारतीय टीम ने घरेलू मैदान पर इससे पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेली थी जहां मैदान में दर्शकों की काफी कमी रही लेकिन शुक्रवार से शुरू होने वाले दिन रात्रि टेस्ट के पहले तीन दिनों के टिकट बिक चुके हैं।

पिछले महीने बोर्ड अध्यक्ष बनने के बाद भारत में पहले दिन-रात्रि टेस्ट मैच का बीड़ा उठाने वाले गांगुली ने कहा, ह्यआगे बढ़ने का यही तरीका है, टेस्ट क्रिकेट को कायाकल्प की जरूरत है। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, ह्यह दुनियाभर में हो रहा है। कहीं से इसे शुरू करना ही था। भारत क्रिकेट के मामले में सबसे बड़ा देश है। मुझे लगता है कि यह बदलाव जरूरी है।

बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष के रूप में गांगुली ने भारत-पाकिस्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के 2016 में धर्मशाला से स्थानांतरित होने के बाद कम समय में सफलतापूर्वक आयोजन किया था। उन्होंने हालांकि कहा कि दिन रात्रि टेस्ट का आयोजन अधिक चुनौतीपूर्ण है।

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, हमारे पास दर्शकों को मैदान में लाने की चुनौती है। दुनिया के किसी भी कोने में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले मैच का स्टेडियम खचाखच भर जाएगा। आप जैसे ही घोषणा करेंगे दर्शक पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा, यह (दिन रात्रि टेस्ट) अधिक चुनौतीपूर्ण है। मैं इस बात को लेकर संतुष्ट हूं की पहले तीन दिन के 65,000 टिकट बिक गए हैं।

गांगुली ने ईडन गार्डन्स में आधिकारिक गुलाबी गेंद टेस्ट मैच के शुभंकर पिंकू-टिंकू का अनावरण करते हुए कहा, कोहली एक महान खिलाड़ी है और उसे दर्शकों से भरे स्टेडियम में खेलना चाहिए। जब वह पहले दिन बल्लेबाजी करने के लिए बाहर निकलेगा तो दर्शकों की भीड़ देखकर खुश होगा।

रजत शर्मा बने रहेंगे डीडीसीए के अध्यक्ष, लोकपाल ने इस्तीफे पर लगाई रोक

नई दिल्ली। रजत शर्मा दिल्ली ऐंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट असोसिएशन (डीडीसीए) के अध्यक्ष बने रहेंगे और अपनी भूमिका जारी रखेंगे। लोकपाल न्यायमूर्ति (रिटायर) बदर दुर्रेज अहमद ने रविवार को वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा के इस्तीफे को होल्ड पर रख दिया है और आदेश दिया है कि वह डीडीसीए के अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका जारी रखें और उनकी टीम भी पहले की तरह प्रभावी रहेगी। अध्यक्ष रजत शर्मा ने शनिवार को तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया था।

लोकपाल ने अपने निर्देश में कहा है कि अध्यक्ष की शक्तियां वापस लेने के लिए पारित प्रस्ताव में प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया है। सचिव विनोद तिहाड़ा, जिन्हें 2.11.2019 को निलंबित किया गया था, का निलंबन वापस नहीं हो सकता है, क्योंकि यह मामला लोकपाल के पास लंबित है। गौरतलब है कि शर्मा के त्यागपत्र के कुछ घंटों बाद ही सीईओ रवि चोपड़ा ने भी इस्तीफा दे दिया था। क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) के दो सदस्यों सुनील वाल्सन और यशपाल शर्मा ने भी अपना पद छोड़ने का फैसला किया था।

दरअसल, इस्तीफा के बाद शर्मा ने लिखा अपने ऑफिशल ट्विटर अकाउंट पर लिखा- प्रिय सदस्यों, जबसे आपने मुझे ऊऊउअ का अध्यक्ष चुना है मैं समय-समय पर आपको अपने काम के बारे में जानकारी देता रहा हूं। मैंने ऊऊउअ को बेहतर बनाने के लिए, प्रफेशनल और पारदर्शी बनाने के लिए जो कदम उठाए उसके बारे में आपको बताया। आपसे किए गए वादों के पूरा होने की जानकारी दी। बता दें कि रजत शर्मा जुलाई 2018 में इस पद के लिए चुने गए थे। रजत शर्मा एक निजी हिंदी समाचार चैनल के चेयरमैन और एडिटर इन चीफ हैं। शर्मा का लगभग 20 महीने का कार्यकाल उतार चढ़ाव से भरा रहा। इस बीच उनके विनोद तिहाड़ा से मतभेद सार्वजनिक तौर पर सामने आए। तिहाड़ा को संगठन में अच्छा समर्थन हासिल है।

राजा और रामनाथन ने पुणे चैलेंजर का युगल खिताब जीता

पुणे। भारत के पूरव राजा और रामकुमार रामनाथन ने रविवार को यहां केपीआईटी एमएसएलटीए चैलेंजर टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में अर्जुन काधे और साकेत माइनेनी की जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरा पुरुष युगल खिताब जीत लिया। राजा और रामनाथन की जोड़ी ने सीधे सेटों में 7-6(3) 6-3 से जीत दर्ज की। इस जोड़ी को खिताबी जीत से 3100 डालर की इनामी राशि और 80 एटीपी अंक मिले।

अर्जुन और साकेत को 1800 डालर की इनामी राशि और 48 एटीपी अंक मिले। पुरुष एकल में आस्ट्रेलिया के दूसरे वरीय जेम्स डकवर्थ ने ब्रिटेन के जेय क्लार्क को हराकर साल का अपना चौथा चैलेंजर खिताब जीता।

डकवर्थ ने दो घंटे और 18 मिनट चले फाइनल में कड़े मुकाबले में पांचवें वरीय प्रतिद्वंद्वी को तीन सेट में 4-6 6-4 6-4 से हराया। डकवर्थ को 7200 डालर और 80 एटीपी अंक मिले। इस खिताबी जीत से डकवर्थ की शीर्ष 100 में वापसी होगी और अगले साल होने वाले आस्ट्रेलिया ओपन के मुख्य ड्रा में खेलने का उन्हें मौका मिलेगा।

वॉर्नर की स्लेजिंग ने बनाया एशेज का हीरो, बेन स्टोक्स के बयान पर भड़के टिम पेन

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम के कप्तान टिम पेन ने इंग्लैंड के बेन स्टोक्स को डेविड वॉर्नर पर दिए गए बयान पर आड़े हाथों लिया है। पेन ने कहा है कि स्टोक्स अपनी किताब बेचने के लिए वॉर्नर के नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं। स्टोक्स ने अपनी किताब में लिखा है कि इसी साल एशेज सीरीज के दौरान हेडिंग्ल में खेली गई उनकी मैच विजेता पारी वॉर्नर द्वारा की जा रही लगातार स्लेजिंग का परिणाम थी।

पेन ने कहा, मैं स्लिप में पूरे समय वॉर्नर के पास ही खड़ा था और आपको मैदान पर बात करने की इजाजत होती है, लेकिन वह स्टोक्स को न ही अपशब्द बोल रहे थे न ही छींटाकशी कर रहे थे। अपनी किताब बेचने के लिए वॉर्नर के नाम का उपयोग करना इंग्लैंड में प्रचलन बन गया है। इसलिए स्टोक्स को शुभकामनाएं।

पेन ने साथ ही कहा कि वॉर्नर ने उस पूरी सीरीज में अपने आप को अच्छे से संभाला था। उन्होंने कहा, मैं उनके पास ही खड़ा था। मुझे किसी तरह की परेशानी नहीं आई। एशेज के दौरान वॉर्नर ने अपने आप को जिस तरह से संभाला है वो शानदार है। खासकर तब जब वह रन नहीं बना पा रहे थे। उल्लेखनीय है कि डेविड वॉर्नर एशेज सीरीज के दौरान बड़ी पारी नहीं खेल सके थे, जबकि उससे पहले वह गजब की फॉर्म में थे। उन्होंने कई आकर्षक पारी खेली थी। इस वजह से वह आलोचकों के निशाने पर थे। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर कहे जाने वाले बेन स्टोक्स (135* रन, 219 गेंद, 11 चौके, 8 छक्के) ने उस वक्त जुझारी शतकीय पारी खेली, जब इंग्लैंड जीत के लिए संघर्ष कर रही थी। दरअसल, मैच में मेजबान टीम को 359 रनों का लक्ष्य मिला था। जवाब में बैटिंग करने उतरी इंग्लिश टीम का 9वां विकेट 286 रनों पर ही गिर गया था, लेकिन वह स्टोक्स और जैक लीच (1) ही थे जिन्होंने मोर्चा संभाला और 10वें विकेट के लिए नाबाद 62 गेंदों में 76 रनों की नाबाद साझेदारी करते हुए इंग्लैंड को एक विकेट की अविश्वसनीय जीत दिला दी।

हाफ सेंचुरी लगाकर लौटा था क्रिकेटर, पविलियन में गिरा और हो गई मौत

हैदराबाद। हैदराबाद में रविवार को उस वक्त एक क्लब क्रिकेटर की मौत हो गई, जब वह बैटिंग करके पविलियन लौटा ही था। क्रिकेटर का नाम वीरेंद्र नाइक है। उनकी उम्र 41 वर्ष थी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वीरेंद्र की मौत की वजह किसी तरह की चोट नहीं है। हैदराबाद में मारडपल्ली स्पोर्टिंग क्लब के खिलाड़ी वीरेंद्र ने रविवार को एक वनडे लीग मैच के दौरान अर्धशतक लगाया था और आउट होने के बाद वह पविलियन और तभी उनकी मौत हो गई।

अंग्रेजी अखबार डेक्कन क्रॉनिकल के अनुसार, वीरेंद्र नाइक की मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट बताया जा रहा है। वीरेंद्र के भाई अविनाश ने पुलिस को बताया कि नाइक छाती के रोग का इलाज करवा रहे थे और सकी दवा भी ले रहे थे। वीरेंद्र नाइक महाराष्ट्र के सावंतवाड़ी के रहने वाले थे। कप्तान त्रीप्त सिंह ने बताया कि वीरेंद्र नाइक ने मुकाबले में 66 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी। वह विकेटकीपर द्वारा कैच आउट हुए थे। हालांकि उन्हें ऐसा लग रहा था कि गेंद बल्ले पर नहीं लगी है और अंपायर ने गलत फैसला दिया है। आउट होने के बाद वीरेंद्र पविलियन लौटे और वहीं गिर पड़े। इस दौरान उनका सिर दीवार से टकराया था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

साउथ के इस डायरेक्टर के साथ काम करेंगे शाहरुख

शाहरुख खान अपनी अगली फिल्म में साउथ की फिल्मों के डायरेक्टर एटली कुमार के साथ काम करते नजर आएंगे। ऐसा कहा जा रहा है कि फिल्म की टाइटल 'सनकी' होगा। लेटेस्ट रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म के मार्च, 2020 में फ्लोर पर आने की उम्मीद है। एक वेब पोर्टल की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के टाइटल की आधिकारिक घोषणा फिल्म की शूटिंग शुरू होने के समय की जाएगी।

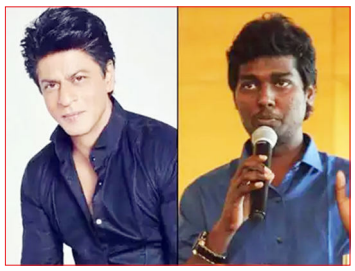

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि यह फिल्म ऐक्शन से भरपूर होगी और शाहरुख खान का ऐसा रोल पहले कभी देखा नहीं होगा। एक कार्यक्रम में फिल्म के बारे में बात करते हुए तेलुगु राइटर और डायरेक्टर हरीश शंकर ने कहा कि एक राइटर और डायरेक्टर से ज्यादा मैं एक फैन के रूप में इसका इंतजार कर रहा हूं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे नहीं पता यह कितनी जल्दी होगा। एटली सर किंग खान एसआरके को डायरेक्ट करने जा रहे हैं। एसआरके का फैन होने के नाते मैं इस जोड़ी का इंतजार कर रहा हूं ताकि मैं भी उस समारोह में आ सकूं और एसआरके को देख सकूं। मैं किंग खान का बहुत बड़ा फैन हूं। एटली कुमार की बात करें तो उन्होंने मल्टीस्टारर फिल्म 'बिगिल' का डायरेक्शन किया है। इस फिल्म में बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ का आंकड़ा पार किया है। इस फिल्म में योगी बाबू, जैकी श्रॉफ, आनंद राज जैसे कई बड़े स्टार हैं।

...रवीना टंडन ने की तारीफ

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस रवीना टंडन ने भारत से ओमान जा रहे विमान को दुर्घटना से बचाने पर पाकिस्तान के एयर ट्रैफिक कंट्रोलर की तारीफ की है। रवीना ने भारत और पाकिस्तान के तनावपूर्ण संबंधों के बीच एटीसी की मदद की सराहना की और ट्वीट में लिखा, जब मानवता पॉलिटिक्स से जीत गई। पाकिस्तानी एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने जयपुर से मस्कट फ्लाइट को अनहोनी से बचाया। बता दें कि पाकिस्तान के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के एटीसी ने अपनी सूझबूझ से भारत से ओमान जा रहे एक विमान को बेहद खराब मौसम में हादसे का शिकार होने से बचा लिया था। बीते शुक्रवार ओमान एयरलाइन की उड़ान संख्या 276 भारतीय शहर जयपुर से ओमान की राजधानी मस्कट जा रही थी। इसमें 150 लोग सवार थे। यह जब पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में पहुंची, उस वक्त मौसम बेहद खराब हो गया। रिपोर्ट में नागरिक उड्डयन के सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि सिंध के इलाके छोर में विमान आसमानी बिजली की चपेट में आ गया था और 2 हजार फीट नीचे आ गया था। इसके बाद विमान के पायलट ने पास के एटीसी स्टेशनों को संकट की जानकारी देते हुए मदद के लिए संदेश भेजे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के एटीसी ने विमान के पायलट से संपर्क किया।

तानाजी की पत्नी सावित्रीबाई मालुसरे का किरदार निभाएंगी काजोल

अजय देवगन की फिल्म तनाजी का एक और पोस्टर जारी हो गया है। इस पोस्टर में काजोल नजर आ रही है जो कि फिल्म में 'सावित्रीबाई मालुसरे' का किरदार निभा रही है। पोस्ट में काजोल का इंटेन्स लुक देखने लायक है। वह मराठी लिबास में नजर आ रही है। लाल रंग की साड़ी और नाक में नथ पहने काजोल वाकई अपने रोल में पूरी तरह डूबी दिख रही है। अजय देवगन ने फिल्म का का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'सावित्रीबाई मालुसरे-तानाजी के साहस का सहारा...और उनके बल की शक्ति। काजोल पहली बार किसी बायोपिक में नजर आ रही है। फिल्म का ट्रेलर मंगलवार को जारी होगा। निमार्ताओं ने इससे पहले एक छोटा प्रोमो जारी किया था। उन्होंने प्रोमो जारी करते हुए लिखा था 'रिश्तों का फर्ज...या मिट्टी का कर्ज?' इस प्रोमो में दो हाथ नजर आ रहे हैं। फिल्म के अन्य कैरेक्टर पोस्टर्स पहले ही जारी हो चुके हैं। अजय ने अपने 'तानाजी' के किरदार का पोस्टर जारी करते हुए लिखा था, 'दिमाग जो कि तलवार की धार से भी तेज'। सैफ 'उदय भान' के किरदार का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'उदयभान के दरबार में गलती की माफी नहीं सिर्फ सजा मिलती है...'। फिल्म में शरद केलकर छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका में है और उनका परिचय इस कैप्शन के साथ दिया था, 'पत्थर से ठोकर तो सब खाते हैं, पत्थर को ठोकर मारे वो मराठा।